राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,१०अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -७६ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में कोविशील्ड वैक्सीन से खून के थक्के बनने का खतरा बहुत कम , विज्ञानी बोले

नई दिल्ली। प्रख्यात विज्ञानी गगनदीप कांग के मुताबिक एस्ट्राजेनेका टीके को लेकर यूरोपीय स्तर का आकलन किया जाए तो भारत में कोविशील्ड का टीका लेने से खून के थक्के बनने के मात्र 320 मामले आने चाहिए। उन्होंने इसे बहुत कम खतरा बताते हुए कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है।क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लूर में प्रोफेसर कांग ने कहा कि यूरोपीय मेडिसीन एजेंसी (ईएमए) के मुताबिक यूरोपीय स्तर के आकलन से एस्ट्राजेनेका टीके से खून के थक्के बनने का खतरा एक लाख मामलों में एक का है और ब्रिटिश नियामक द्वारा 250,000 पर एक मामले की सूचना दी गई है। खून के थक्के बनने की आशंका के कारण एस्ट्राजेनेका के कोरोना वायरस के टीके के इस्तेमाल को रोक दिया है या इसे सीमित कर दिया है।कांग ने द वायर को दिए एक साक्षात्कार में कहा, टीका लेने के बाद खून का थक्का बनने के कुछ मामले आ सकते हैं। इसकी आशंका रहती है। हमें यह जानने की जरूरत है कि क्या कम प्लेटलेट काउंट से खून के थक्का बनने का मामला जुड़ा है।कांग ने कहा कि सरकार को समयबद्ध तरीके से इस मामले पर गौर करने के लिए जांच करानी चाहिए और रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। विषाणु विज्ञानी के मुताबिक यूरोपीय स्तर से भारत में आकलन करने पर लक्ष्य के मुताबिक देश में तीस करोड़ लोगों को टीके दिए जाने पर खून का थक्का बनने के 3,000 मामले आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में एस्ट्राजेनेका की अब तक आठ करोड़ खुराकें दी गई हैं। ऐसे में 320 मामले आने चाहिए।

यूरोप व अन्य देशों की सरकारें एस्ट्राजेनेका टीके पर दे रहीं अलग-अलग सुझाव

यूरोपीय संघ (ईयू) की औषधि नियामक संस्था द्वारा एस्ट्राजेनेका टीके और खून के थक्के जमने के बीच संबंध की आशंका जताने के एक दिन बाद यूरोपीय और अन्य कई देश इस टीके को अपने नागरिकों को देने के लिए कई तरह के सुझाव दे रहे हैं।

ममता बनर्जी को चुनाव आयोग ने भेजा एक और नोटिस, केंद्रीय बलों पर गलत टिप्पणी करने का है आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सियासी घमासान के बीच चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक और नोटिस जारी किया है। केंद्रीय बलों को लेकर उनकी टिप्पणी के लिए चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है और कल 11 बजे तक अपने बयान को स्पष्ट करने को कहा है। चुनाव आयोग ने 28 मार्च और 7 मार्च को केंद्रीय बलों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर 10 अप्रैल तक जवाब देने को कहा है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने वोटरों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा था कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के जवान गांवों में लोगों को डराने-धमकाने पहुंच सकते हैं। इससे पहले टीएमसी ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय सुरक्षाबल बंगाल में उनके वोटरों को पोलिंग बूथ पर जाने से रोक रहे हैं।

7 अप्रैल को ममता बनर्जी ने क्या कहा

ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर सीआरपीएफ के जवान राज्य में मतदाताओं को परेशान कर रहे हैं। ममता ने कूच बिहार जिले में यहां एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय बल के कर्मियों पर मौजूदा विधानसभा चुनावों के दौरान महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने और लोगों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, वे मतदाताओं को वोट डालने से रोक रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें ऐसा करने का निर्देश दिया है। ममता ने कहा कि प्रशासन चुनाव आयोग चला रहा है। कृपया गौर करें कि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी की मौत नहीं हो। मेरा आपसे अनुरोध है कि उन सीआरपीएफ कर्मियों पर नजर रखें जो राज्य में अभी ड्यूटी पर हैं। उन्हें महिलाओं को परेशान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे मामले भी हैं जिनमें केंद्रीय बल के कर्मचारियों द्वारा लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की गयी है।

28 मार्च को ममता ने क्या कहा था

28 मार्च को एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कथित तौर पर सवाल किया था कि केंद्रीय बलों को महिलाओं को वोट डालने की अनुमति दिए बिना धमकी देने की शक्ति किसने दी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने वोटरों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा था कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के जवान गांवों में लोगों को डराने-धमकाने पहुंच सकते हैं। इससे पहले टीएमसी ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय सुरक्षाबल बंगाल में उनके वोटरों को पोलिंग बूथ पर जाने से रोक रहे हैं।

बता दें कि इससे पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हुगली में चुनाव रैली के दौरान कथित तौर पर सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं से अपील करने के लिए बुधवार को एक नोटिस जारी किया। उनसे 48 घंटे के भीतर नोटिस पर जवाब देने को कहा गया है। नोटिस में कहा गया कि चुनाव आयोग को भाजपा के प्रतिनिधिमंडल से शिकायत मिली है, जिसमें आरोप लगाया है कि तीन अप्रैल को, बनर्जी ने हुगली में ताराकेश्वर की चुनाव रैली के दौरान मुस्लिम मतदाताओं से कहा कि उनका वोट विभिन्न दलों में न बंटने दें।

नोटिस में बनर्जी के हवाले से कहा गया, विश्वविद्यालयों तक के लिए कन्याश्री छात्रवृत्ति है। अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए शिक्षाश्री है। सामान्य वर्ग के लिए स्वामी विवेकानंद छात्रवृत्ति है। अल्पसंख्यक समुदाय के मेरे भाइयों और बहनों के लिए एक्यश्री है और मैंने इसे दो करोड़ 35 लाख लाभार्थियों को दिया है। मैं हाथ जोड़कर अपने अल्पसंख्यक भाई-बहनों से अपने मत शैतान को नहीं देने और अपने मत को बंटने नही देने की अपील करती हूं जिसने भाजपा से पैसे लिए हैं।

चुनाव आयोग के पहले नोटिस पर ममता ने क्या कहा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं को बांटने के किसी भी प्रयास के खिलाफ आवाज उठाती रहेंगी और चुनाव आयोग चाहे तो उन्हें दस कारण बताओ नोटिस भेज दे, , लेकिन इनसे वह अपना रुख नहीं बदलेंगी। बनर्जी ने कहा, आप (चुनाव आयोग) चाहें तो मुझे दस कारण बताओ नोटिस भेज सकते हैं, लेकिन मेरा जवाब एक ही होगा। मैं हमेशा हिंदू, मुस्लिम वोटों के विभाजन के खिलाफ बोलती रहूंगी। मैं धार्मिक आधार पर मतदाताओं को बांटने के खिलाफ खड़ी रहूंगी।

ममता ने क्या बयान दिया था

ममता बनर्जी ने कहा था, वह कई सांप्रदायिक टिप्पणी करता है और हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा करवाता है। वह भाजपा का प्रचारक है, साथी है। माकपा और भाजपा के साथी भाजपा से पैसे लेकर अल्पसंख्यकों के मत बांटने के लिए घूम रहे हैं। उन्हें ऐसा न करने दें। ध्यान रखें कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो वह बहुत बड़े खतरे में होंगे। नोटिस में बताया गया कि बनर्जी ने कहा, मैं अपने हिंदू भाई-बहनों से भी कहूंगी कि भाजपा को सुनने के बाद खुद को हिंदू और मुस्लिम में न बांटे।

दूसरे प्रदेशों से बिहार लौटने वाले लोगों को कोरोना जांच में निगेटिव आने के बावजूद रहना होगा क्वारंटाइन में

पटना। बाहर यानी दूसरे राज्यों से बिहार आने वाले हर व्यक्ति की कोरोना जांच होगी। जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद भी उन्हें कुछ दिनों तक अलग रखा जाएगा। पिछले कुछ समय से कोरोना के मामलों में काफी कमी आ गयी थी, लेकिन पुन- एक बार फिर से वृद्धि शुरू हो गयी है। आठ राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके कारण काम बंद होगा तो एक बार फिर लोग वापस अपने प्रदेश आएंगे। उनके लिए क्वारंटाइन सेंटर के साथ-साथ उनके रोजगार का भी प्रबंध किया जा रहा है। यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कही।

मुख्यमंत्री सीएम सचिवालय स्थित संवाद में उनसे मुलाकात करने आये 2019 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के बिहार कैडर के 11 प्रशिक्षु पदाधिकारियों से ये बातें कहीं।

पिछले कुछ समय से कोरोना के मामलों में काफी कमी आ गयी थी, लेकिन पुन- एक बार फिर से वृद्धि शुरू हो गयी है। आठ राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों की तुलना में कोरोना संक्रमण से होने वाली मृत्यु की दर भारत में कम है। कोरोना संक्रमण में भारत की औसत मृत्यु दर 1.3 है, जबकि बिहार की 0.5 है। टेस्टिंग के मामले में प्रति दस लाख की संख्या पर देश की औसत जांच दर से बिहार में आठ हजार ज्यादा जांच कराई गयी।

टीकाकरण शुरू होने के बाद जांच की संख्या में काफी कमी आ गयी थी, जिसको देखते हुए हमने बैठक कर जांच की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। संक्रमण के प्रति सजगता एवं जन जागरूकता के कारण बिहार में कम लोग प्रभावित हुए हैं। सबका दायित्व है कि टीकाकरण तेजी से हो।

दिल्ली में नाइट कर्फ्यू में ई-पास के लिए मिले 1.19 लाख आवेदनों में से 87 हजार खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली में नाइट कर्फ्यू के दौरान यात्रा की अनुमति के लिए ई-पास के लिए जिलों के अधिकारियों को 1.19 लाख आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से लगभग 87,000 को खारिज कर दिया गया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ज्यादातर आवेदन इसलिए खारिज किए गए क्योंकि वह कर्फ्यू से छूट पाने वाली श्रेणी में नहीं आते थे या उनमें दी गई सूचना में त्रुटि थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, लंबित आवेदनों की संख्या बुधवार को 30,000 से ज्यादा थी जो घटकर 20,055 रह गई है। कुल 1,19,369 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से केवल 12,068 स्वीकार किए गए।

नाइट कर्फ्यू के उल्लंघन के लिए 480 लोगों पर केस दर्ज

दिल्ली में नाइट कर्फ्यू का

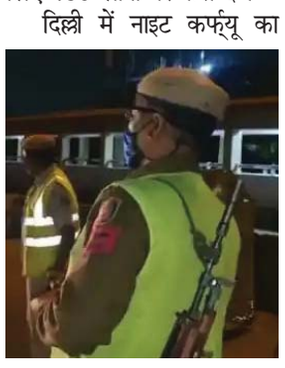

उल्लंघन करने के लिए 480 से अधिक लोगों पर मामले भी दर्ज किए गए। पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 489 मामले दर्ज किए गए। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अनिल मित्तल ने कहा कि मास्क न लगाने पर पुलिस ने 731 चालान भी जारी किए।

नाइट कर्फ्यू में इन व्यवसायों से जुड़े लोगों को दी गई छूट

दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार ने मंगलवार को तत्काल प्रभाव से सात घंटे का रात्रि कर्फ्यू लगा दिया है। हालांकि कुछ व्यवसायों से जुड़े लोगों को इसमें छूट दी गई है। डीडीएमए ने दिल्ली में कोविड-19 के हालात की समीक्षा की जिसके बाद यह फैसला लिया है। डीडीएमए का रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू का आदेश 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। कोविड-19 टीकाकरण के लिए कर्फ्यू की अवधि में यात्रा करने वाले लोगों को एक ई-पास की सॉफ्ट या हार्ड कॉपी अपने साथ रखनी होगी जो दिल्ली सरकार की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य सचिव और डीडीएमए के कार्यकारी मंडल के अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में अचानक तेजी आई है और संक्रमण की उच्च दर देखी जा रही है। आदेश के अनुसार, ऐसा महसूस किया गया कि दिल्ली में रात्रि 10 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाने की जरूरत है और केवल आपातकालीन कदम के तौर पर आवश्यक गतिविधियों और सेवाओं की अनुमति होगी।

क्या वैवाहिक विवाद के आधार पर पासपोर्ट रद्द किया जा सकता है?

नई दिल्ली। क्या वैवाहिक विवाद के आधार पर किसी का पासपोर्ट रद्द किया जा सकता है? इसे लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पक्ष रखने का मौका दिए बगैर वैवाहिक विवाद के चलते किसी व्यक्ति का पासपोर्ट रद्द नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने कहा है कि पासपोर्ट रद्द करना एक कठोर कदम है और प्रभावित व्यक्ति का पक्ष सुने बगैर ऐसा नहीं किया जा सकता। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह ने यह टिप्पणी उस व्यक्ति की याचिका पर की है जिनका वैवाहिक विवाद के चलते पिछले साल मई में पासपोर्ट रद्द कर दिया था। उन्होंने याचिका में पासपोर्ट को रद्द करने के मई 2020 के केंद्र सरकार के आदेश पर रोक लगाने की मांग थी। न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा कि वैवाहिक विवाद के आधार कर वह किसी के पासपोर्ट को हमेशा के लिए नहीं रोक सकता है। न्यायालय ने कहा है कि यह सिर्फ एक वैवाहिक झगड़ा है और आप उसका पासपोर्ट बहाल क्यों नहीं करते। न्यायालय ने सरकार से कहा कि आप जो कर रहे हैं, वो बेहद गलत है, आप किसी का पक्ष क्यों ले रहे हैं। केंद्र सरकार ने न्यायालय को बताया कि एक बार पासपोर्ट रद्द होने पर उसे दोबारा बहाल नहीं किया जा सकता। सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता को पासपोर्ट के लिए नए सिरे से आवेदन करना पड़ेगा। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसे पासपोर्ट रद्द करने से पहले ना ही कोई नोटिस दिया गया और ना ही अपना पक्ष रखने का मौका। इसके जवाब में केंद्र सरकार ने न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता को अमेरिका के ह्यूस्टन में भारतीय मिशन के समक्ष पक्ष रखने का मौका दिया गया था।

लॉकडाउन के डर से घर वापसी शुरू, मुंबई-सूरत छोड़ रहे प्रवासी मजदूर, ट्रेनों में खचाखच भीड़

मुंबई। कोरोना वायरस के मामलों में अचानक तेजी के बीच अब लोगों के मन में लॉकडाउन को लेकर डर गहराता जा रहा है। लॉकडाउन को लेकर डर प्रवासी लोगों में कितना ज्यादा है, इसकी झलक महाराष्ट्र और गुजरात से यूपी-बिहार जाने वाली ट्रेनों में देखी जा सकती है। कोविड-19 मामलों में अचानक हुई वृद्धि के कारण एक और लॉकडाउन की आशंका के बीच प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों ने महाराष्ट्र के मुंबई और गुजरात के सूरत और अहमदाबाद से लौटना शुरू कर दिया है। लॉकडाउन की आशंका के बीच मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर ट्रेनें प्रवासी श्रमिकों से खचाखच भरी देखी जा रही हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए एक माइग्रेंट वर्कर (प्रवासी श्रमिक), जो उत्तर प्रदेश अपने घर लौट रहा है, ने कहा कि यह ट्रेन गोरखपुर जाएगी। हम शहर छोड़ रहे हैं, क्योंकि कोरोना के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में स्थित अपने शहर जा रहे एक अन्य प्रवासी श्रमिक ने बताया कि हम अपने शहर यूपी जा रहे हैं। यहां अभी नाइट कर्फ्यू है। यहां कभी भी लॉकडाउन हो सकता है। पिछले लॉकडाउन की तरह अफरातफरी से बचने केलिए हम अपने घर जा रहे हैं। हमें भी नहीं पता कि हम वापस कब आएंगे। बता दें कि आज से मुंबई, पुणे और नागपुर समेत महाराष्ट्र के सभी शहरों और जिले में लॉकडाउन शुरू होगा। आज रात आठ बजे से लेकर सोमवार सुबह सात बजे तक पूरा महाराष्ट्र वीकेंड लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू की जद में रहेगा। यह पहला वीकेंड है जो पूरी तरह से लॉकडाउन में रहेगा। जरूरी सेवाओं के अलावा किसी को भी इस दौरान आवाजाही की इजाजत नहीं होगी। मुंबई प्रशासन ने इसके लिए अलग से गाइडलाइन भी जारी की है। इधर, गुजरात में कोविड-19 मामलों में अचानक हुई वृद्धि के कारण एक और लॉकडाउन की आशंका के बीच प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों ने राज्य के सबसे ज्यादा प्रभावित दो शहरों सूरत और अहमदाबाद से लौटना शुरू कर दिया है। हालांकि, सरकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दावा किया कि शहरों को छोड़कर जाने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है और लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने से नहीं रोका जा सकता है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (श्रम और रोजगार) विपुल मित्रा ने बताया, 'ऐसी कोई औपचारिक रिपोर्ट नहीं है जिससे यह पता चले कि बड़ी संख्या में प्रवासी वापस लौट रहे हैं।

उन्नाव रेप के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की पत्नी को बीजेपी ने दिया जिला पंचायत का टिकट

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी ने उन्नाव जिले की 51 जिला पंचायत सीटों पर अपने अधिकृत प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। संगठन ने रेप केस के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की पत्नी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संगीता सिंह सेंगर को चुनाव मैदान में उतारा है। इसके साथ ही पूर्व ब्लाक प्रमुख और पूर्व जिलाध्यक्ष को भी समर्थन दिया है। खासबात तो यह है कि विधानसभा तक पहुंचने का ख्वाब देख रहे तमाम नेता जिला पंचायत सदस्य के लिए जोर आजमाएंगे। टिकट की घोषणा के बाद से ही जिला पंचायत अध्यक्ष को लेकर शह मात का खेल चलने लगा।

संगठन की ओर से गुरुवार को जारी की गई लिस्ट में कई चेहरे नए भी हैं। हालांकि पार्टी ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संगीता सेंगर को फतेहपुर चौरासी चतुर्थ से प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अविनाश चंद्र उर्फ आनंद आवस्थी को सिकंदरपुर सरोसी प्रथम से प्रत्याशी बनाया गया है। नवाबगंज के पूर्व ब्लॉक प्रमुख अरुण सिंह औरास द्वितीय से टिकट मिला है। आनंद अवस्थी पूर्व में उन्नाव सदर से विधानसभा सदस्य के लिए चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें सफलता नहीं

मिली थी। संगीता सिंह सेंगर बांगमरऊ उप चुनाव में भाजपा से टिकट मांग रही थी। हालांकि उन्हें टिकट नहीं मिला था।

वहीं पूर्व ब्लाक प्रमुख अरुण सिंह भी बांगरमऊ से दावेदारी कर रहे थे। नवाबगंज ब्लाक प्रमुख की सीट आरक्षित होने के बाद अरुण सिंह अपनी राजनीति मजबूत करने के लिए जिला पंचायत सदस्य बनने हेतु मैदान में आ गए। जिला पंचायत अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी प्रवेश सिंह उर्फ सिंडीकेट को बिछिया द्वितीय से प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की लिस्ट जारी होते ही सोशल मीडिया पर बधाई देने वाला का तांता लगा रहा।

कमल का निशान लगाकर करने लगे प्रचार-भाजपा की ओर से जैसे ही समर्थित उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की गई सफलता पाने वाले दावेदारों की वांछे खिल गई। वह भूल गए कि भाजपा ने सिर्फ समर्थन दिया है अपना चुनाव चिह्न नहीं दिया है। अति उत्साह में तमाम दावेदारों ने कमल चुनाव निशान लगाकर अपना फोटो सोशल मीडिया पर जारी कर दिया। हालांकि सोशल मीडिया पर उनकी खूब चुटकी ली जा रही है।

अध्यक्ष के लिए होगा घमासान-भाजपा की ओर से समर्थित उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करने के बाद से ही सवाल तेजी से उछला कि अगला जिला पंचायत अध्यक्ष कौन होगा। अगर भाजपा के समर्थित उम्मीदवारों की जीत हुई और वह बहुमत में आई तो अध्यक्ष के लिए घमासान होना तय माना जा रहा है। भाजपा के दिग्गज अंदर खाने में ताकत लगाए हैं कि उनके पक्ष का दावेदार चुनाव जीते और उसे ही जिला पंचायत अध्यक्ष का टिकट मिले। हालांकि यह तस्वीर 2 मई को साफ हो पाएगी कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। कयास लगाया जा रहा है कि संगठन यह देखने में लगा है कि कौन प्रत्याशी कितने पानी में है और कितने अंतर से जीतकर आता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सहयोग बढ़ाने के नए संकेत

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

रूसी विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव और भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के बीच हुई बातचीत के जो अंश प्रकाशित हुए हैं और उन दोनों ने अपनी पत्रकार-परिषद में जो कुछ कहा है, अगर उसकी गहराई में उतरें तो आपको थोड़ा-बहुत आनंद जरुर होगा लेकिन आप दुखी हुए बिना भी नहीं रहेंगे। आनंद इस बात से होगा कि रूस से हम एस-400 प्रक्षेपास्त्र खरीद रहे हैं, वह खरीद अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद जारी रहेगी। रूस भारत से साढ़े सात करोड़ कोरोना-टीके खरीदेगा। यद्यपि इधर भारत ने रूसी हथियार की खरीद लगभग 33 प्रतिशत घटा दी है लेकिन लावरोव ने भरोसा दिलाया है कि अब रूस भारत को नवीनतम हथियार-निर्माण में पूर्ण सहयोग करेगा। उत्तर-दक्षिण महापथ याने ईरान और मध्य एशिया होकर रूस तक आने-जाने का बरामदा और चेन्नई-व्लादिवस्तोक जलमार्ग तैयार करने में भी रूस ने रूचि दिखाई है। लावरोव ने भारत-रूस सामरिक और व्यापारिक सहयोग बढ़ाने के भी संकेत दिए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत किसी भी देश के साथ अपने संबंध घनिष्ट बनाने के लिए स्वतंत्र है। उनका इशारा इधर भारत और अमेरिका की बढ़ती हुई घनिष्टता की तरफ रहा होगा लेकिन उन्होंने कई ऐसी बातें भी कही हैं, जिन पर आप थोड़ी गंभीरता से सोचें तो लगेगा कि वे दिन गए, जब भारत-रूस संबंधों को लौह-मैत्री कहा जाता था। क्या कभी ऐसा हुआ है कि कभी कोई रूसी नेता भारत आकर वहां से तुरंत पाकिस्तान गया हो ? नई दिल्ली में पत्रकार-परिषद खत्म होते ही लावरोव इस्लामाबाद पहुंच गए। रूस का रवैया भारत के प्रति अब लगभग वैसा ही हो गया है, जैसा कभी अमेरिका का था। वे इस्लामाबाद क्यों गए ? इसलिए कि वे अफगान-संकट को हल करने में जुटे हुए हैं। सोवियत रूस ने ही यह दर्द पैदा किया था और वह ही इसकी दवा खोज रहा है। लावरोव ने साफ-साफ कहा कि तालिबान से समझौता किए बिना अफगान-संकट का हल नहीं हो सकता। जयशंकर को दबी जुबान से कहना पड़ा कि हाँ, उस हल में सभी अफगानों को शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारी सरकार की घोर अक्षमता है कि हमारा तालिबान से कोई संपर्क नहीं है। 1999 में जब हमारे जहाज का अपहरण करके कंधार ले जाया गया था, तब प्रधानमंत्री अटलजी के अनुरोध पर मैंने न्यूयार्क में रहते हुए कंधार के तालिबान नेताओं से सीधा संपर्क करके उस जहाज को छुड़वाया था। हम यह जान लें कि तालिबान गिलजई पठान हैं। वे मजबूरी में पाकिस्तानपरस्त हैं। वे भारत-विरोधी नहीं हैं। यदि उनके जानी दुश्मन अमेरिका और रूस उनसे सीधा संपर्क रख रहे हैं तो हम क्यों नहीं रख सकते ? हमें हुआ क्या है ? हम किससे डर रहे हैं ? या मोदी सरकार के पास योग्य लोगों का अभाव है ? लावरोव ने तालिबान से रूसी संबंधों पर जोर तो दिया ही, उन्होंने 'इंडो-पेसिफिक' की बजाय 'एशिया-पेसिफिक' शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलियाई चौगुटे को 'एशियन नाटो' भी कह डाला। चीन और पाकिस्तान के साथ मिलकर रूस अब अमेरिकी वर्चस्व से टक्कर लेना चाहेगा। लेकिन भारत के लिए यह बेहतर होगा कि वह किसी भी गुट का पिछलग्गू नहीं बने। यह बात जयशंकर ने स्पष्ट कर दी है लेकिन दक्षिण एशिया की महाशक्ति होने के नाते भारत को जो भूमिका अदा करनी चाहिए, वह उससे अदा नहीं हो पा रही है।

आज के ट्वीट

सावधानी

वैक्सीनेशन के साथ साथ हमें ये भी ध्यान रखना है कि वैक्सीन लगवाने के बाद की लापरवाही न बढ़े। हमें लोगों को ये बार-बार बताना होगा कि वैक्सीन लगने के बाद भी मास्क और सावधानी जरूरी है :

-- पीएम

नक्सलवादी कम्युनिस्टों के विरुद्ध आरपार की लड़ाई

-तरुण विजय

विश्व में शायद ही कोई विचारधारा इतनी क्रूर, बर्बर और अमानुषिक होगी, जितनी कम्युनिस्ट विचारधारा है। यद्यपि पिछली अनेक शताब्दियों में करोड़ों लोग मध्य पूर्व एवं पश्चिमी देशों में ईसाई धर्मयुद्धों यानी क्रूसेड और इस्लामिक जिहादों में मारे गए, पर कम्युनिस्ट विचारधारा यानी साम्यवाद के नाम पर स्टालिन और माओ के समय दस करोड़ से अधिक लोगों को क्रूरता पूर्वक मारने का एक खौफनाक रिकॉर्ड बना। कंबोडिया के कम्युनिस्ट शासक पोल पोट ने तो अपने देश की एक चौथाई आबादी को नरसंहार का शिकार बनाकर समाप्त कर दिया। पोल पोट ने देश के उन लोगों को, जो कम्युनिस्ट विचारधारा स्वीकार करने से इन्कार करते थे, तड़पा-तड़पा कर मारने का एक ऐसा वृत्त निर्मित किया, जिसका और कोई उदाहरण नहीं मिलता। एक समय कम्युनिस्ट विचारधारा पंजाब से लेकर बंगाल और त्रिपुरा से लेकर केरल तक अनेक राज्यों में काफी प्रभावी रही, लेकिन शनै- शनै- और विशेषकर सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत में कम्युनिस्ट विचारधारा की राजनीति खंडहर में तब्दील होती गई और अब वह केरल एवं बंगाल के कुछ नगण्य कोनों-किनारों में ही दिखती है, फिर भी यह विचारधारा आज भी पत्रकारिता, लेखन, छात्रसंघों, राजनीति में सक्रिय है। इसका ही एक हिस्सा नक्सली संगठनों के रूप में अराजकता और आतंकवाद फैलाने में सक्रिय है। बीते तीन अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बीजापुर क्षेत्र में कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले नक्सलियों ने 22 सुरक्षा सैनिकों की जो कायराना हत्या की, वह कोई नई घटना नहीं है। पिछले कई दशकों से नक्सली भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने हुए हैं। 1960 के आसपास नक्सलवाद बंगाल में प्रारंभ हुआ और चीन का चेयरमैन- हमारा चेयरमैन नारे से बंगाल की दीवारें रंग दी गईं। उस समय कांग्रेस के सिद्धार्थ शंकर राय मुख्यमंत्री थे। उन्होंने बहुत कठोरता पूर्वक नक्सलवाद को समाप्त किया। वह बंगाल में भले ही जड़हीन हुआ हो, परंतु शेष देश में उसके 26 से अधिक छोटे-बड़े कुकुरमुत्ते संगठन उभर कर आए। इनमें सबसे बड़ा संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) है, जो 21 सितंबर, 2004 को स्थापित हुआ। इसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) पीपुल्स वॉर ग्रुप और माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (एमसीसी) सम्मिलित हुए। तब से लेकर अब तक नक्सलियों ने 12,000 से अधिक भारतीय नागरिकों और जवानों की क्रूर हत्याएं की हैं। इनमें केवल जवानों की संख्या ही 2700 से अधिक है। गृह मंत्रालय के अनुसार 9,300 से अधिक जिन नागरिकों की नक्सलियों ने हत्या की, वे बर्बरता और क्रूरता में माओ और पोल पोट की ही विचाररेखा पर की गई हत्याएं हैं। नक्सली 12-13 साल के बच्चों को जबर्दस्ती अपने गुट में शामिल कर लेते हैं। जो माता-पिता अपने बच्चों के अपहरण के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें उनके बच्चों के सामने ही तड़पा-तड़पा कर मारने के उदाहरण नक्सली प्रस्तुत करते रहते हैं, ताकि उस क्षेत्र में दहशत फैल जाए। छत्तीसगढ़ में इस प्रकार के लगभग 12 छात्रावास चल रहे हैं, जिनमें नक्सलियों द्वारा मार डाले गए लोगों के अनाथ बच्चे सरकारी सहायता से पोषित किए जा रहे हैं। क्रूरता की हद यह है कि नक्सली जिन महिलाओं को अपने गिरोहों में भर्ती करते हैं, उनका दैहिक शोषण भी करते हैं। नक्सली हिंसा के शिकार सैकड़ों बच्चे आज तक राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकृष्ट नहीं कर पाए हैं। दुर्भाग्य से भारतीय मीडिया के एक वर्ग में नक्सलियों के प्रति एक सहानुभूति का वातावरण मिलता है। इस वर्ग के अनुसार ये लोग गरीबी के खिलाफ लड़ रहे हैं या फिर सर्वहारा के सैनिक हैं। अरुंधती राय जैसे लोग उन्हें बंदूकधारी गांधीवादी बताते हैं। मीडिया का यह वर्ग सुरक्षा बलों पर आघात की भी चिंता नहीं करता। गृह मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर जिसे वामपंथी अतिवाद कहा है, उसे सीधे-सीधे कम्युनिस्ट आतंकवाद कह कर ही समझा जा सकता है। वाम झुकाव वाला अतिवाद कह कर भ्रम की स्थिति पैदा नहीं करनी चाहिए। यह सीधे-सीधे कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले देशद्रोही तत्वों का आतंकवाद है और उसी दृष्टि से इसका अंत किया जाना चाहिए। प्रतिवर्ष तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि नक्सली आतंकवाद का सामना करने के लिए खर्च की जाती है। यह आतंकवाद चीन तथा पाकिस्तान के हमलों से कम नहीं है। पूर्ण घोषित युद्धों से अधिक संख्या में नागरिक और जवान नक्सलियों द्वारा मारे गए हैं। नक्सली आतंकवाद से प्रभावित तीस ऐसे जिले हैं, जिन्हें सघनतम आतंक ग्रस्त माना जाता है। अकेले इन जिलों पर 2148.24 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई। यदि हम नक्सलियों के पिछले इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो 2010 से लेकर 2020 तक एक भी वर्ष ऐसा नहीं गया, जिसमें नक्सली संगठनों ने बड़ी संख्या में सुरक्षा जवानों और नागरिकों की हत्याएं न की हों। विडंबना यह है कि भारत के अनेक साहित्यकार, लेखक, पत्रकार खुलेआम उनके पक्ष में लिखते हैं। 2006 में गृह मंत्रालय ने एक विशेष कम्युनिस्ट आतंकवाद केंद्रित प्रकोष्ठ बनाया था, जिसे बौद्धिक आवरण देने के लिए वामपंथी अतिवाद खंड कहा गया। औपचारिक रूप से इसकी स्थापना 19 नवंबर, 2006 में की गई। 14 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि गृह मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार नक्सलवाद के व्याप में 25 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन जिस घर का सुरक्षा जवान शहीद होता है, उसकी ओर से यह तो पूछा ही जाता है कि भारत के भीतर ही भारत के शत्रुओं से लड़ते हुए उनके जवान क्यों शहीद हो रहे हैं? कम्युनिस्ट विचारधारा ने हमेशा भारत और भारतीयता के विरुद्ध काम किया है।

1962 के युद्ध के समय भी कम्युनिस्ट पार्टी ने चीन का साथ दिया था। तब पं. नेहरू ने 250 से अधिक कम्युनिस्ट नेताओं पर देशद्रोह के मुकदमे चलाए थे। 1964 में कांग्रेस सरकार ने लोकसभा में कम्युनिस्ट देशद्रोही कार्यों पर एक श्वेत पत्र जारी किया था। इसमें भारत में कम्युनिस्टों की देश विरोधी गतिविधियों की जानकारी दी गई थी। समय आ गया है कि नक्सलवाद रूपी जो कम्युनिस्ट आतंकवाद छत्तीसगढ़, आंध्र, ओडिशा आदि राज्यों में सक्रिय है, उसे जड़ से समाप्त किया जाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

ज्ञान गंगा

दूसरों से जलना

सद्गुरु/ ईर्ष्या को हमेशा से एक कुटिल भावना के रूप में देखा गया है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिये इसने बराबर काम किया है। ये मुझे प्रेरणा देती है। तो जब भी मेरे मित्र कुछ नया सीखते हैं तो मेरे अंदर से भाव आता है कि मैं उनसे बेहतर करूं। और शायद यही कारण है कि मैं अपने सपनों के कॉलेज में पहुंच गया हूं। तो, आपको क्या लगता है कि ईर्ष्या क्या एक नकारात्मक भावना है या यह आपको बेहतर करने के लिये प्रेरित करती है? सौभाग्यवश, आज के दिनों में ऐसा नही होता लेकिन उन दिनों, जब हम बड़े हो रहे थे, खास तौर से छोटे शहरों में, लोग मजा लेने के लिए, एक डिब्बे में पटाखे भर के किसी गधे की पूंछ से बांध देते थे। विशेष रूप से, दीवाली के दिनों में यह काफी लोकप्रिय था। जब पटाखे छूटने लगते तब वो बेचारा गधा इधर उधर भागता था, घोड़े से भी ज्यादा तेज। क्या आपको लगता है कि जीवन को प्रेरित करने का यह कोई अच्छा तरीका है? आपके पास और भी बेहतर और समझदार तरीके हैं। जब आपको लगता है कि आपकी पूंछ सुलग रही है तो आप दौड़ सकते हैं। लोग कहते हैं कि अगर कोई कुत्ता आपके पीछे पड़ जाए तो आप वाकई तेज दौड़ेंगे, लेकिन उसैन बोल्ट इसलिये तेज नहीं दौड़ते कि उनकी पूंछ में आग लगी है। वे इसलिए तेज दौड़ते हैं क्योंकि उन्होंने अपने पैरों और फेफड़ों को इस तरह तैयार किया है कि वे चाहे जैसे दौड़ें, वे सबसे तेज होंगे। क्या यह तेज दौड़ने का सही तरीका नहीं है? अब, यदि आप इसलिए तेज दौड़ना चाहते हैं कि एक कुत्ता आपके पीछे लगा है या आपकी पूंछ में आग लगी है तो यह तेज दौड़ने का सुखद तरीका नहीं है। अगर आप इसलिये तेज दौड़ना चाहते हैं कि कोई कुत्ता आपके पीछे लगा है या आपकी पूंछ में आग लगी है तो यह तेज दौड़ने का सुखद तरीका नहीं है। एक बात यह है कि आप तेज दौड़ते हैं। यह महत्त्वपूर्ण है, लेकिन दूसरी बात यह है कि तेज दौड़ने का आपका अनुभव शानदार है। क्या यह भी महत्त्वपूर्ण नहीं है? आप अपने सपनों के कॉलेज में आ गए हैं, लेकिन अब आपके लिए ये तीन साल नरक समान भी हो सकते हैं। क्या यह महत्त्वपूर्ण नहीं है कि ये तीन साल आपके जीवन का एक शानदार अनुभव बनें? सिर्फ दौड़ना महत्त्वपूर्ण नहीं है। आप इसे कैसे अनुभव करते हैं और कल इससे आपको क्या मिलता है, वह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

असफलता के सबक से सफलता का मंत्र

अरुण नैथानी

यूं तो ओडिशा स्थित अराखुड़ा के सिलू नायक चुपचाप एक अनूठे मिशन में लगे हुए थे जो सैकड़ों युवाओं के सपने साकार करने में सहायक बना। बिना किसी आर्थिक लाभ की आकांक्षा और प्रशंसा की चाह के राष्ट्रीय सेवा का एक ऐसा मिशन, जिसमें दूसरों की सफलता में वे अपनी सफलता देखते थे। लेकिन पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चर्चित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 74वें संस्करण में जब सिलू नायक के योगदान का जिक्र किया तो देश के कोने-कोने में उनकी चर्चा होने लगी। नायक का कहना है 'प्रधानमंत्री के शब्दों से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रशंसा से मेरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। मेरे इरादे मजबूत हुए हैं। मैं ज्यादा ऊर्जा महसूस कर रहा हूं।' आज नायक सर के नाम से चर्चित सिलू नायक ने सपना देखा था कि सेना व सुरक्षा बलों में भर्ती होकर देश सेवा करूंगा। सेना के प्रति लोगों का सम्मान उन्हें प्रेरित करता था। इसके लिये उन्होंने पांच साल साधना की। लिखित परीक्षा से लेकर शारीरिक प्रतिस्पर्धाओं की तैयारी की। एक भर्ती के दौरान उन्होंने अन्य परीक्षाएं तो पास कर लीं, लेकिन कद में एक सेमी की कमी से उनका चयन न हो सका। लंबी तैयारी के बाद असफलता ने उन्हें कुछ समय के लिये निराश तो किया, लेकिन उन्होंने असफलता को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। सिलू नायक ने समझ लिया कि उनकी हाइट तो नहीं बढ़ सकती, क्यों न दूसरे युवाओं के सपनों को ऊंचाई देने में योगदान दिया जाये। इस बीच उन्हें ओडिशा के औद्योगिक सुरक्षा बल में नौकरी करने का अवसर मिला, लेकिन तब तक वे तय कर चुके थे कि पिता की खेती में हाथ बंटाऊंगा और अपनी जीविका के लिये कोई अन्य काम कर लूंगा। नायक ने महसूस किया किया कि उनके जैसे सैकड़ों युवा सेना व सुरक्षा बलों में अपने ख्वाब पूरा करने के लिये जाना चाहते हैं, लेकिन उनका मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं होता। दूर-दराज के इलाके के गरीब छात्रों के पास इतना पैसा भी नहीं होता कि महंगी कोचिंग्स ले सकें। उनमें से कई ऐसे युवा भी थे जो लिखित परीक्षा या साक्षात्कार तो पास कर लेते थे, लेकिन जरा-सी चूक से शारीरिक परीक्षा में सफल नहीं हो पाते। दरअसल, युवाओं का मुख्य ध्यान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार की तरफ होता है। ऐसे में शारीरिक परीक्षा की पर्याप्त तैयारी नहीं हो पाती। अपनी असफलता को दूसरों की सफलता का जरिया बनाकर सिलू नायक युवाओं को रक्षा सेवाओं के लिये तैयार करने में जुट गये। अब उन्हें जीवन का मकसद मिल गया था। दरअसल, सिलू नायक की राह इतनी भी आसान नहीं थी। उनके पास संस्थान खोलने लायक पैसा भी नहीं था। कुछ लोग उनके इरादों पर सवाल उठाने लगे थे। कुछ ने सोचा कि अपनी असफलता के बाद सिलू ने इसे कमाई का जरिया बना लिया। शुरू-शुरू में तो युवा भी कतराते थे कि कहीं बाद में पैसे न मांगे जायें। लेकिन धीरे-धीरे सिलू नायक के पक्के इरादों और निष्काम सेवा ने लोगों का विश्वास अर्जित किया। उनके गांव के ही नहीं, आसपास के गांवों के बेरोजगार उनसे प्रशिक्षण लेने आने लगे। वे सुबह और शाम छात्रों को प्रशिक्षण देते। सुबह के समय शारीरिक सौष्ठव और प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक अर्हताओं के लिये प्रशिक्षण देते। दौड़-भाग, विभिन्न खेलों तथा रस्से से लक्ष्य पर चढ़ने का प्रशिक्षण देते। वहीं शाम के सत्र में लिखित परीक्षा की तैयारी करवाते, जिसमें लेखन क्षमता और सामान्य ज्ञान का प्रशिक्षण भी शामिल था। उन्होंने अपनी संस्था का नाम 'महागुरु बटालियन' रखा जो धीरे-धीरे युवाओं में लोकप्रिय होने लगी। आज एक समय ऐसा आया कि उनके द्वारा प्रशिक्षित युवाओं ने थल सेना, भारतीय वायु सेना, नौसेना तथा सीआरपीएफ व बीएसएफ में भर्ती होने में सफलता पायी। उनसे प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं की संख्या तीन सौ के आसपास थी, जिसमें से सत्तर के करीब का चयन इन सेना के तीनों अंगों व सुरक्षा बलों के लिये हुआ। इसके अलावा बड़ी संख्या ऐसे छात्रों की भी थी, जिनका चयन अन्य संस्थानों में सुरक्षा गार्ड के रूप में हुआ। वे राष्ट्र सेवा के लिये नायक तैयार करने के मिशन में लगातार आगे बढ़ते रहे। आज सिलू नायक सैकड़ों युवाओं के ख्वाब पूरे करने के महत्वपूर्ण मिशन में लगे हैं। उनके इलाके में लोग उन्हें आदर के साथ नायक सर के रूप में संबोधित करते हैं। प्रधानमंत्री ने भी इसी नाम से उन्हें सम्मान दिया। सही मायनों में वे युवाओं को राष्ट्रीय सेवा का व्रत लेने को प्रेरित कर रहे हैं। युवाओं को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं—एक निष्काम सेवा के रूप में। एक ऋषिकर्म सरीखा कार्य कर रहे हैं। तभी प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में कहा कि आइए हम नायक सर को इस मिशन के लिये मंगलकामनाएं दें ताकि देश को और राष्ट्रभक्त नायक मिल सकें। अपनी असफलता की हताशा से मुक्त होकर दूसरों को निष्काम भाव से सफल बनाने में जी जान से जुटने वाले नायक सर जैसे लोग समाज में विरले ही होते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com | www.facebook.com/krantisamay1 | www.twitter.com/krantisamay1

सोनी ने भारत में ब्राविया एक्स80जे गूगल टीवी सीरीज लॉन्च की

नई दिल्ली।

सोनी इंडिया ने शुक्रवार को 4के अल्ट्रा एचडी एलईडी डिस्प्ले के साथ 1,30,000 रुपये में ऑल न्यू एक्स80जे गूगल टीवी सीरीज का अनावरण किया। नई एक्स80जे टीवी सीरीज 189 सेमी (75 इंच), 165 सेमी (65 इंच), 140 सेमी (55 इंच), 126 सेमी (50 इंच) और 108 सेमी (43 इंच) में उपलब्ध है। नया लाइनअप इंटीग्रेटिड गूगल टीवी यूजर्स को उनकी स्ट्रीमिंग सेवाओं से 700,000 से अधिक फिल्मों और टीवी एपिसोड तक ब्राउज करने की सुविधा प्रदान करता है। कंपनी ने एक बयान में कहा, नई ब्राविया एक्स80जे लाइनअप, डॉल्बी विजन के साथ संचालित एक एचडीआर सॉल्यूशंस है, जो आपके घर में एक इमर्सिव, इंजिनिस सिनेमैटिक अनुभव का निर्माण करता है, जो स्ट्राइकिंग हाइलाइट्स, डीपर डार्क 'स और वाइब्रेंट कलर्स के साथ दृश्यों को जीवंत करता है। बयान में कहा गया है कि डॉल्बी एटमोस के साथ, नए ब्राविया एक्स80जे 4के टेलीविजन से साऊंड ऊपर के अलावा साइड से भी आता है, जो कि सुनने के अनुभव को भी बेहतरीन बनाता है। इसमें सहज कंटेंट स्ट्रीमिंग का आनंद भी उठाया जा सकता है और यह टीवी एप्पल होम किट, एयरप्ले सपोर्ट के अलावा आईपैड और आईफोन जैसे एप्पल डिवाइस को भी सपोर्ट करता है। इस सीरीज में इन-बिल्ट माइक्रोफोन भी दिया गया है। यूजर्स गूगल असिस्टेंट का उपयोग करके सरलता के साथ टीवी से जुड़ सकते हैं और वह टीवी रिमोट का उपयोग किए बिना टीवी शो, फिल्मों और अन्य कंटेंट का आनंद ले सकते हैं। कंपनी ने कहा कि वर्तमान में नई लॉन्च की गई टीवी सीरीज का 65 इंच का मॉडल सभी सोनी सेंटर्स के साथ-साथ प्रमुख ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर पर उपलब्ध है। अन्य मॉडलों की उपलब्धता की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

सहारा इंडिया परिवार के मुखिया सुब्रत रॉय कोविड-19 वायरस से संक्रमित

बिजनेस डेस्कः सहारा समूह के अध्यक्ष सुब्रत रॉय सहारा कोविड-19 वायरस से संक्रमित हो गए हैं। एक विज्ञप्ति के अनुसार कोविड-19 मामलों की बढ़ती संख्या के बीच रॉय ने सभी से सुरक्षित रहने और अपने आसपास के लोगों का ध्यान रखने की अपील की है। विज्ञप्ति के बताया गया कि रॉय, जो सहारा इंडिया परिवार के प्रबंध कार्यकर्ता और अध्यक्ष हैं, कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि देश में रोज के मामलों का बढ़ना जारी है। देश में कुल 1,31,968 नए मामले दर्ज किए गए जो अब तक एक दिन में सामने आए सर्वाधिक मामले हैं। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 56,286 नए मामले सामने आए। इसके बाद छत्तीसगढ़ में 10,652 जबकि उत्तर प्रदेश में 8,474 नए मामले सामने आए। भारत में 9,79,608 लोग अब भी कोरोना से संक्रमित हैं और यह देश में संक्रमण के कुल मामलों का 7.50 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कुल संक्रमित मरीजों में 69,289 मरीज बढ़े हैं।

मैकडॉनल्ड्स इंडिया मुंबई में 24 घंटे संपर्क रहित परिचालन करेगी

नयी दिल्ली, दक्षिण और पश्चिम क्षेत्र में मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट का परिचालन करने वाली कंपनी वेस्टलाइफ डेवलपमेंट ने शुक्रवार को कहा कि वह मुंबई में चुनिंदा आउटलेट के जरिए 24 घंटे फास्टफूड की संपर्क रहित आपूर्ति करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, ''महाराष्ट्र में कोविड-19 पर काबू पाने के लिए घोषित नए प्रतिबंधों के मद्देनजर मुंबई में वेस्टलाइफ डेवलपमेंट लिमिटेड के स्वामित्व वाले चुनिंदा मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट 24/7 काम करेंगे।'' कंपनी ने आगे बताया कि इसके लिए मैकडेलीवरी, टेकवे और ऑन-द-गो की क्षमता को दोगुना किया जाएगा। मैकडॉनल्ड्स इंडिया के पश्चिम और दक्षिण के मुख्य परिचालन अधिकारी सौरभ कालरा ने कहा, ''हम अपने ग्राहकों की मांग को पूरा करने में सक्षम हैं, वे जो चाहें, जब चाहें, उन्हें मैकडॉनल्ड्स भोजन उपलब्ध कराएंगे।''

इस साल अब तक जायद की बुवाई में 16.49% बढ़ोतरीः सरकार

नई दिल्लीः कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस साल अभी तक जायद यानी गर्मी की फसल की कुल बुवाई 16.49 प्रतिशत बढ़कर 67.87 लाख हेक्टेयर हो गई है, जिसमें सबसे अधिक रकबा धान का है। जायद की फसल फरवरी-जून के बीच बोई जाती है। यह समय रबी (सर्दी) और खरीफ (मानसून) के बीच का होता है। कृषि आयुक्त एस के मल्होत्रा ने कहा, ''जायद की फसल रबी और खरीफ के बीच की अवधि के 30-90 दिनों में तैयार होती है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए जायद की फसल को बढ़ावा दे रही है।'' मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल जायद का कुल रकबा बढ़कर 67.87 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि के 58.26 लाख हेक्टेयर से 16.49 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि अभी तक जायद की बुवाई के रुझान काफी अच्छे हैं और इस पर कोविड-19 महामारी का कोई असर नहीं है।

यूडब्ल्यूबी तकनीकि के साथ सैमसंग ने किया स्मार्ट ट्रैकिंग टैग का अनावरण

सोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने शुक्रवार को एडवांस्ड वायरलेस कम्युनिकेशन टेक्न लॉजी का लाभ उठाते हुए अपने अपग्रेडेड स्मार्ट ट्रैकिंग टैग का अनावरण किया है। यह बेहतरी के साथ लोगों के खोए हुए सामानों का पता लगाने में सक्षम है। सैमसंग के मुताबिक, गैलेक्सी स्मार्ट टैग प्लस ब्लूटूथ लो एनर्जी (बीएलई) और अल्ट्रा-वाइडबैंड (यूडब्ल्यूबी) सॉल्यूशंस से लैस है। अगले शुक्रवार से इस नए उत्पाद को उपलब्ध करा दिया जाएगा, हालांकि अलग-अलग बाजारों में इसके लॉन्च का शेड्यूल भिन्न हो सकता है। इससे संबंधित पहले आए प्रोडक्ट गैलेक्सी स्मार्ट टैग को जनवरी में लॉन्च किया गया था, जिसमें केवल बीएलई टेक्न लॉजी का इस्तेमाल किया गया था। इससे पावर कम खर्च होता था और इसकी कीमत भी कम थी। यूडब्ल्यूबी एक शॉर्ट रेंज वायरलेस कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल है, जो उच्च आवृत्ति पर रेडियो तरंगों का संचालन करता है, जो सही जगह और दिशा का पता बेहतर ढंग से लगा पाने में सक्षम है।

कोविड-19: दवाओं की मांग में उछाल के चलते इंदौर सेज से 24.5प्रतिशत बढ़ा निर्यात

इंदौरः कोविड-19 के प्रकोप के बीच खासकर दवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में इजाफे के कारण वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान इंदौर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) से निर्यात में करीब 24.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह लगभग 11,944 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2019-20 में इस बहुउत्पादीय सेज से करीब 9,600 करोड़ रुपए का निर्यात किया गया था। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के एक आला अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष में इंदौर सेज से हुए निर्यात में करीब 60 फीसद भागीदारी दवाओं की रही। उसने कहा, कोविड-19 के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के दौरान भी इंदौर सेज की फार्मा इकाइयों में लगातार उत्पादन जारी रहा क्योंकि प्रशासन ने इन्हें अत्यावश्यक सेवाओं की श्रेणी में रखा था। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल इंदौर सेज में फार्मा, पैकेजिंग सामग्री, इंजीनियरिंग, वस्त्र निर्माण और खाद्य प्रसंस्करण समेत अलग-अलग क्षेत्रों के 67 संयंत्र चल रहे हैं। इनमें से 20 इकाइयां अकेले फार्मा क्षेत्र की हैं। यह सेज हालांकि पड़ोसी धार जिले की औद्योगिक नगरी पीथमपुर में स्थित है लेकिन 1,100 हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्रफल में फैली इस जगह को आधिकारिक तौर पर 'इंदौर सेज' के नाम से ही जाना जाता है।

बाजार की तेजी को लगा लगामः सेंसेक्स 154 अंक टूटा, निफ्टी 14830 के करीब बंद

बिजनेस डेस्कः

लगातार तीन दिन की बढ़त के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 154 अंकों की गिरावट के साथ 49,591 पर बंद हुआ है। इसी तरह निफ्टी भी 39 पॉइंट गिरकर 14,834 पर बंद हुआ। बाजार में बैंकिंग और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं फार्मा सेक्टर में जमकर खरीदारी हुई। सेंसेक्स में भी 30 में से 15 शेयरों में गिरावट के साथ बंद हुए, जिसमें सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। जबकि बजाज फाइनेंस का शेयर 3% गिरकर बंद हुआ है। बाजार के बड़े शेयर जैसे **TCS, HDFC,** रिलायंस सहित **SBI** सभी में सपाट कारोबार रहा। **BSE** पर 3,078 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 1,666 शेयर बढ़त और 1,234 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए हैं। लिस्टेड कंपनियों का टोटल मार्केट कैप 209.71 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह कल 209.48 लाख करोड़ रुपए था।

एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट

- हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग इंडेक्स 368 पॉइंट नीचे 28,648 पर आ गया है।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 36 अंक गिरकर 3,445 पर कारोबार कर रहा है।
- कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 11 अंकों की मामूली गिरावट है, इंडेक्स 3,132 पर कारोबार कर रहा है।
- ऑस्ट्रेलिया का ऑल ऑर्डनरीज इंडेक्स सपाट 7,248 के स्तर पर है।
- जापान का निक्केई इंडेक्स 80 पॉइंट ऊपर 29,789 पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजारों में बढ़त

गुरुवार को अमेरिकी बाजार के साथ दुनियाभर के ज्यादातर बाजारों में तेजी देखने को मिली। डाउ जोंस 0.17% की बढ़त के साथ 57.31 अंक ऊपर 33,503.60 पर बंद हुआ था। नैस्डैक 1.03% बढ़त के साथ 140.47 अंक ऊपर 13,829.30 पर बंद हुआ। **S&P** 500 इंडेक्स भी 17.22 पॉइंट ऊपर 4,097.17 पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस, जर्मनी और जापान के बाजारों में भी बढ़त रही।

FII और DII डेटा

NSE पर मौजूद प्रोविजनल डेटा के मुताबिक, 8 अप्रैल को विदेशी संस्थागत निवेशकों (**FII**) ने 110.85 करोड़ रुपए और घरेलू संस्थागत निवेशकों (**DII**) ने 552.78 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। इसके चलते बाजार में लगातार तीसरे दिन बढ़त दर्ज की गई थी। सेंसेक्स 84 पॉइंट चढ़कर 49,746 पर और निफ्टी भी 54 पॉइंट ऊपर 14,873 पर बंद हुआ था।

कोरोना के खौफ के चलते बंद हुई प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री, ट्रेनों के रद्द होने पर रेलवे का बड़ा बयान

बिजनेस डेस्कः

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकारों ने पाबंदियां बढ़ाना शुरू कर दी है। कई राज्यों में नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है तो कुछ शहरों में पूर्ण लॉकडाउन, तो कुछ में वीकेंड लॉकडाउन की घोषणा की जा चुकी है। बढ़ते मामलों के बीच भारतीय रेलवे ने मुंबई सेंट्रल से अहमदाबाद के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस का संचालन एक महीने के लिए बंद कर दिया है। ऐसे में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या देश में ट्रेनों के बंद होने का सिलसिला फिर से शुरू हो सकता है? कई रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट (**Platform Ticket**) की बिक्री पर रोक लगा दी है। रेलवे ने यह निर्णय स्टेशन पर भीड़ ना हो इस कारण लिया है।

ट्रेनों के बंद होने को लेकर रेलवे ने दिया ये बयान

भारतीय रेलवे ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर साफ किया कि इंडियन रेलवे का ट्रेनों को रोकने या उस पर पाबंदी लगाने की अभी कोई योजना नहीं है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सुनीत शर्मा ने कहा कि जो लोग यात्रा करना चाहते हैं, उनके लिए ट्रेनों की कोई कमी नहीं है। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मांग के अनुसार ट्रेनें चलाई जाएंगी। इन महीनों में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या सामान्य देखी गई, हम जरूरत के अनुसार ट्रेनों की संख्या बढ़ाएंगे।

ट्रेन से यात्रा करने के लिए नहीं चाहिए नेगेटिव रिपोर्ट

शर्मा ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी खारिज किया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि ट्रेन से यात्रा करने के लिए अब कोविड नेगेटिव रिपोर्ट की जरूरत होगी। शर्मा ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में जिन मजदूरों के पलायन की बात कही जा रही है वो पलायन नहीं है बल्कि ये रेलवे के सामान्य यात्री हैं। नाईट कर्फ्यू से बचने के लिए ये जल्दी स्टेशन पहुंच जाते हैं, जिसकी वजह से भीड़ दिखाई दे रही है। यहां ट्रेनों की आवाजाही रोकने या कम करने के लिए अभी तक कोई आधिकारिक अनुरोध नहीं मिला है।

मुंबई में प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर लगी रोक

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में इसका व्यापक प्रसार देखा जा रहा है। इसे देखते हुए कई रेलवे स्टेशनों पर आज तत्काल प्रभाव से प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद कर दी गई है। जिन रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद की गई है उनमें लोकमन्य तिलक टर्मिनस, कल्याण, ठाणे, दादर, पनवेल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस शामिल है। मध्य रेलवे के सीपीआरओ के हलावे से न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है।

एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सेंट्रल रेलवे ने मुंबई सीएसएमटी सहित अपने छह लंबी दूरी के स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री तत्काल प्रभाव से बंद कर दी है। मध्य रेलवे के मुख्य प्रवक्ता शिवाजी सुतार ने कहा कि मुंबई **CSMT** के अलावा, **LTT,** कल्याण, ठाणे, दादर और पनवेल स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट जारी करना बंद कर दिया है जहां से लंबी दूरी की ट्रेनें चलती हैं।

वैश्विक स्तर पर चिप की कमी के कारण मैकबुक और आईपैड उत्पादन में हो रही देरी

सैन फ्रांसिस्को।

वैश्विक स्तर पर चिप की कमी के कारण एप्पल के कुछ मैकबुक और आईपैड मॉडल के उत्पादन में देरी हो रही है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर हो रही चिप की कमी मैकबुक उत्पादन में देरी का एक प्रमुख कारण बनी हुई है। उद्योग के सूत्रों और विशेषज्ञों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी इस बात का संकेत है कि चिप की कमी अब अधिक गंभीर हो रही है और यह छोटे तकनीकी दिग्गजों को और भी अधिक प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ आईपैड असेंबली को डिस्प्ले और डिस्प्ले कंपोनेंट्स की कमी के कारण स्थगित कर दिया गया था। एप्पल के प्रतिष्ठित आईफोन के लिए उत्पादन योजनाएं हालांकि अब तक आपूर्ति की कमी से प्रभावित नहीं हुई हैं, मगर डिवाइस के लिए कुछ कंपोनेंट्स की आपूर्ति पर जरूर कुछ असर देखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एप्पल के प्रतिद्वंद्वी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने हाल ही में पुष्टि की कि चिप की कमी कंपनी के लिए अप्रैल से जून की अवधि में जरूर समस्या पैदा कर सकती है। कंपनी ने हालांकि यह भी कहा है कि इस मुद्दे को हल करने के लिए उनके कर्मचारियों की टीम चौबीसों घंटे काम पर लगी है। एप्पल कंपनी एक वर्ष में लगभग 20 करोड़ आईफोन, 2 करोड़ से अधिक मैकबुक, 1.9 करोड़ आईपैड और 7 करोड़ से अधिक एयरपोड्स की बिक्री करती है। यह सभी डिवाइस अपने संबंधित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच में आते हैं।

ईवी चार्जिंग इंफ्रा के लिए सीमेंस ने हिंदुजा समूह के साथ मिलाया हाथ

चेन्नई।

सीमेंस लिमिटेड और हिंदुजा समूह की स्विच मोबिलिटी ऑटोमोटिव लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में उतरने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सीमेंस को सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज (एसएफएस) के नाम से भी जाना जाता है, जो सीमेंस एजी की वित्तपोषण शाखा है। सीमेंस ने एक बयान में कहा कि स्विच मोबिलिटी जहां भारत में अपने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों को लेकर लाएगी, वहीं सीमेंस चार्जर्स के ऊर्जा-कुशल संचालन को बढ़ाने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन मुहैया कराएगी।

सीमेंस के अनुसार, वह अक्षय ऊर्जा स्रोत के साथ नए बिजनेस मॉडल जैसे ई-मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस (ईमेस), इंटीग्रेटेड डिपो एनर्जी मैनेजमेंट, व्हीकल-टू-ग्रिड (वी2जी) के साथ-साथ ऑन-साइट/ऑफ-साइट पर भी स्विच मोबिलिटी के साथ सहयोग करेगी। स्विच मोबिलिटी के अध्यक्ष धीरज हिंदुजा ने एक बयान में कहा, भारत और ब्रिटेन में 230 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों के हमारे अनुभव के साथ, हम भारत, यूरोप और कई वैश्विक बाजारों में स्विच के विस्तार के व्यापक विकास के अवसरों को देख रहे हैं।

सीमेंस लिमिटेड में प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील माथुर ने कहा, सीमेंस वाणिज्यिक वाहनों के लिए ई-मोबिलिटी समाधानों में एक वैश्विक लीडर है। हम दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों के लिए परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं।

स्विच मोबिलिटी के साथ, हम भारत में बढ़ते ई-मोबाइल बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले तकनीकी-व्यावसायिक समाधानों को लागू करने का इरादा रखते हैं।

स्विच मोबिलिटी ऑटोमोटिव और ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी वाणिज्यिक वाहनों की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड लिमिटेड की सहायक इकाई हैं।

मणिपाल अस्पताल ने मलेशिया का अस्पताल बेचने के लिए निर्णायक समझौते पर हस्ताक्षर किए

बेंगलुरु।

मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (मणिपाल हॉस्पिटल्स) ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसने मलेशिया के क्लैंग में अपने अस्पताल के कारोबार को स्वास्थ्य सेवा प्रदाता रामसे सीम डार्बी हेल्थ केयर (आरएसडीएच) में विभाजित करने के लिए एक निर्णायक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मणिपाल हॉस्पिटल्स ने एक बयान में कहा कि स्वामित्व का हस्तांतरण क्लोजर दायित्वों को पूरा करने के बाद होगा। इसने कहा कि 2016 में स्थापित मणिपाल अस्पताल, क्लैंग एक हाई एंड अस्पताल है, जिसे मलेशियाई सोसायटी फॉर क्वालिटी इन हेल्थ (एमएसक्यूएच) की ओर से मान्यता प्राप्त है। मणिपाल हॉस्पिटल्स के एमडी और सीईओ दिलीप जोस ने एक बयान में कहा, हमें मलेशिया में एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा फ्रेंचाइजी बनाने और इसे विकसित करने पर गर्व है, जो उच्च गुणवत्ता, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर आधारित है।

इसके अलावा दिलीप ने क्लैंग में अपनी टीम की ओर से आरएसडीएच के साथ मिलकर अस्पताल को विकास के अगले स्तर पर लेकर जाने के लिए दोनों को शुभकामनाएं भी दीं। कंपनी ने बयान में कहा गया है कि यह सौदा ऐसे समय पर हुआ है, जब मणिपाल हॉस्पिटल्स ने कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल्स इंडिया के सुचारू एकीकरण के लिए कमर कस ली है, क्योंकि अधिग्रहण पूरा होने वाला है।

अस्पताल समूह पूर्वी भारत में भी अपने कारोबार का विस्तार करना चाहता है। समूह भारत में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है।

सैमसंग ने भारत में स्मार्ट मॉनिटर लॉन्च किया

नई दिल्ली।

सैमसंग ने शुक्रवार को भारतीय बाजार में 28,000 रुपये की शुरुआती कीमत पर अपना नया स्मार्ट मॉनिटर लॉन्च किया। स्मार्ट मॉनिटर दो मॉडल में उपलब्ध है। पहला मॉडल एम7 है, जो 32-इंच स्क्रीन साइज में अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (यूएचडी) रिजॉल्यूशन सपोर्ट करता है। दूसरा मॉडल एम5 है, जो 27 इंच स्क्रीन साइज के साथ फुल एचडी (एफएचडी) रिजॉल्यूशन सपोर्ट करता है। सैमसंग इंडिया में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंटरप्राइज बिजनेस के उपाध्यक्ष पुनीत सेठी ने एक बयान में कहा, सैमसंग में, हम प्रभावशाली नवाचारों (इनोवेशन) को लाने में विश्वास करते हैं और हमारा नया स्मार्ट मॉनिटर इसका एक उदाहरण है। सेठी ने कहा कि उपभोक्ताओं को अब अलग-अलग उपयोगों के लिए अलग-अलग स्क्रीन के बीच चयन नहीं करना होगा, क्योंकि स्मार्ट मॉनिटर यह सब एक साथ लाता है और काम करने एवं सीखने से लेकर मनोरंजन के लिए लचीलापन प्रदान करता है। कंपनी का कहना है कि नए मॉनिटर पीसी और स्मार्टफोन दोनों के लिए कई कनेक्टिविटी विकल्प प्रदान करते हैं। यूजर्स टैप व्यू, ऐप कास्टिंग, स्क्रीन मिररिंग या एप्पल एयरप्ले 2 का उपयोग करके अपने निजी मोबाइल उपकरणों को केवल एक साधारण टैप से जोड़ सकते हैं। मॉनिटर इन-बिल्ट नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, एप्पल टीवी और अन्य ओटीटी ऐप के साथ पेश किया गया है। यह यूजर्स को अपने ब्लूटूथ से जुड़े कीबोर्ड और माउस की मदद से सीधे मॉनिटर से क्लाउड पर दस्तावेजों को देखने, संपादित करने और सहेजने की अनुमति देता है। रिमोट एक्सेस यूजर्स को पीसी से वायरलेस तरीके से और दूरस्थ रूप से फाइलों को एक्सेस करने या लैपटॉप से कंटेंट देखने की भी अनुमति देता है। सैमसंग स्मार्ट मॉनिटर अब सैमसंग शॉप, अमेजन और प्रमुख रिटेल स्टोर पर उपलब्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 के खिलाफ और अधिक कदम उठाएगा जापान

टोक्यो :

ओलंपिक खेलों के शुरू होने में तीन महीने से कुछ अधिक समय बचे है और ऐसे में जापान तेजी से फैलने वाले कोरोना वायरस के नए प्रकार के प्रसार को रोकने के लिए और अधिक कदम उठाने को तैयार है। एक सरकारी समिति के विशेषज्ञों ने आपातकालीन उपायों को प्रारंभिक स्वीकृति दी जिसमें टोक्यो, पश्चिमी जापान में क्योटो और दक्षिणी द्वीप ओकिनावा के लिए कुछ कड़े आदेश शामिल हैं। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा सोमवार से लागू होने वाले इस उपायों की घोषणा कर सकते है जो मई की शुरुआत तक लागू रहेगा। टोक्यो में ज्यादातर लोगों को अभी तक टीका नहीं लगा है। ओलंपिक खेलों का आगाज 23 जुलाई से होगा।

आईपीएल-14

धोनी की सीएसके का सामना पंत की डीसी से

मुंबई।

वानखेड़े स्टेडियम में शनिवार रात को गुरु और चेले के बीच टकराव देखने को मिलेगा। महेंद्र सिंह धोनी, जो अपने करियर के आखिरी मोड़ पर हैं और पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से केवल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेल रहे हैं, दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ तीन बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेंगे। डीसी की टीम ऋषभ पंत की कप्तानी खेल रही है, जो भारत के फर्स्ट च्वाइस विकेटकीपर के रूप में धोनी के दीर्घकालिक उत्तराधिकारी माने जा रहे हैं। पंत ने अतीत में कहा है कि वह धोनी का अनुकरण करना चाहते हैं लेकिन लगता है कि वह अपनी अलग जगह बना रहे हैं। हालांकि उनकी पावर-हिटिंग के बारे में सबको पहले से ही मालूम है। पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद से उनकी बैटिंग उच्च स्तर पर पहुंच गई क्योंकि उन्होंने भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने और घर में इंग्लैंड के खिलाफ जीत दिलाने में मदद की। उनका विकेटकीपिंग कौशल दोनों सीरीज के दौरान सुखद आश्चर्य के रूप में सामने आया और अब यह उनकी कप्तानी का कौशल होगा जिसकी परीक्षा होगी। पंत ने चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह ली, जो कंधे की चोट से जूझ रहे थे। पिछले साल के उपविजेता ने स्टीव स्मिथ को भी अपने टीम में शामिल किया है। उसका तेज गेंदबाजी आक्रमण, जिसमें कैगिसो रबाडा, एनरिक नार्जे, उमेश यादव और इशांत शर्मा के साथ-साथ ऑलराउंडर क्रिस वोक्स, टॉम कुरेन और मार्कस स्टोइनिस शामिल हैं, लीग में सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। ऑफ स्पिनर आर. अश्विन और लेग स्पिनर अमित मिश्रा जैसे अनुभवी और प्रशंसित स्पिनर बहुत मजबूत गेंदबाजी लाइन अप का हिस्सा हैं जो सीएसके की बल्लेबाजी लाइन-अप का की परीक्षा लेंगे। सीएसके ने पिछले संस्करण में बहुत खराब प्रदर्शन किया था और आईपीएल के इतिहास में पहली बार प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी थी। सीएसके की बल्लेबाजी फाफ डु प्लेसिस पर बहुत ज्यादा निर्भर करेगी लेकिन सुरेश रैना की वापसी, जो पिछले सीजन में व्यक्तिगत कारणों से नहीं खेल सके थे, तीन बार के चैंपियन के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली बात होगी। भारत की टेस्ट बल्लेबाजी के सूत्रधार चेतेश्वर पुजारा को भी सात साल में अपने पहले आईपीएल के लिए सीएसके लाइन-अप में शामिल किया गया है। भारत के नंबर-3 बल्लेबाज को नेट सत्र के दौरान एक उच्च बैक-लिफ्ट और छक्के का उपयोग करते देखा गया। सीएसके ने पिछले साल अच्छी तरह से पिचों को नहीं पढ़ा और अपने स्पिनरों का शुरुआत में सही से उपयोग नहीं कर सकी लेकिन उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने मिशेल सेंटनर और इमरान ताहिर को मौका देना शुरू किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

नौकायन : सरावनन ने टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

बेंगलुरु।

भारतीय सेना के मद्रास इंजीनियर ग्रुप (एमईजी) के नाएब सुबेदार विष्णु सरावनन ने लेसर स्टैंडर्ड क्लास वर्ग में इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। डिफेंस पीआरओ दफ्तर ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि सरावनन ने ओमान में मुसाना ओपन नौकायन चैंपियनशिप में हिस्सा लिया जो एशिया और अफ्रीका का ओलंपिक क्वालीफायर इवेंट था। उन्होंने लेसर स्टैंडर्ड क्लास में टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल किया। बयान में बताया गया कि ओलंपिक में भाग लेने के उद्देश्य से सरावनन पिछले दो साल से माल्टा में सेल कोचिंग अकादमी के नेतृत्व में ट्रेनिंग कर रहे थे। सरावनन ने ब्याज स्पोटर्स कंपनी, एमईजी सेंटर में 2015 में इनरोल किया था और वह सुबेदार मेजर रामचंद्रन सरावनन के पुत्र हैं जो मद्रास सैपर नाविक हैं। सरावनन के पिता पिछले साल भारतीय सेना से रिटायर हुए हैं। सरावनन ने 30 अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लिया है जिसमें से 13 में वह शीर्ष तीन में रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने 10 सीनियर और यूथ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सभी वर्गों में स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने 2018 में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक जीता था और इसके बाद उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया।

दूती चंद को छत्तीसगढ़ वीरनी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

नई दिल्ली। भारत की महिला धाविका और जकार्ता एशियाई खेलों में 100 तथा 200 मीटर में रजत पदक जीतने वाले दूती चंद को छत्तीसगढ़ वीरनी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कोरोना महामारी के कारण इस अवॉर्ड का आयोजन 14 अप्रैल को वर्चुअली किया जाएगा। छत्तीसढ़ सरकार खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए महिलाओं का सम्मान करेगी। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, दूती को खेल में उनके योगदान के लिए इस अवॉर्ड के लिए चुना गया है। 2019 में दूती ने इटली में आयोजित हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला एथलीट बनी थीं।

बीजेके कप के लिए भारतीय टीम लातविया रवाना हुई

नई दिल्ली।

भारतीय महिला टेनिस टीम की चार सदस्य- रुतुजा भोसले, जील देसाई और करमन कौर थांडी, रिजर्व रिया भाटिया बिली जीन किंग कप (पहले फेड कप के नाम से मशहूर) के लिए शुक्रवार को लातविया की राजधानी रीगा के लिए रवाना हो गई। यह टूर्नामेंट 16-17 अप्रैल को खेला जाएगा।। भारतीय टीम के कप्तान विशाल उप्पल ने ट्वीट किया, भारत में महिला टेनिस के लिए रोमांचक समय। लातविया में पूरी टीम के साथ एकजुट होने का इंतजार करें अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने शुक्रवार को खिलाड़ियों और कोचों के साथ सोशल मीडिया पर फेस मास्क पहने हुए तस्वीरें पोस्ट कीं। भारत अग्रणी टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा, जिन्हें हाल ही में चार साल के लिए खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम में शामिल किया गया था, और अंकिता रैना दुबई से टीम में शामिल होंगी। ये दोनों दुबई में पिछले एक सप्ताह से प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह इतिहास में पहली बार है कि भारतीय महिला टेनिस टीम ने बिली जीन किंग कप के वर्ल्ड ग्रुप प्ले-ऑफ में जगह बनाई है - जिसे फेड कप के रूप में जाना जाता था। भारत ने पहली बार एशिया/ओशिनिया ग्रुप 1 टाई दूसरे

स्थान पर रहते हुए विश्व ग्रुप प्ले-ऑफ में पहली बार स्थान बनाया, जो मार्च 2020 में अमीरात में हुआ था, जबकि लातविया को संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने समूह में हराया था।

संक्षिप्त समाचार

तैराकी : ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क को पार करना चाहेंगे नटराज

नई दिल्ली। बेंगलुरु के तैराक श्रीहरि नटराज 12 अप्रैल से होने वाले उज्बेकिस्तान ओपन समर तैराकी चैंपियनशिप में पुरुष 100 मीटर बैक्स्ट्रोक इवेंट में ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क को पार करना चाहेंगे।19 वर्षीय नटराज 15 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं जो ताशकंद में एक सप्ताह तक चलने वाले टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे। नटराज का लक्ष्य ए क्वालीफिकेशन समय 53.85 सेकेंड का पार करना होगा जिससे उन्हें टोक्यो ओलंपिक के लिए सीधे तौर पर प्रवेश मिलेगा। नटराज का निजी सर्वश्रेष्ठ समय 54.69 सेकेंड का है। ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिए बी क्वालीफिकेशन मार्क गारंटी नहीं है। नटराज के अलावा सजन प्रकाश पर भी ध्यान होगा जो 200 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में अपने चुनौती पेश करेंगे। प्रकाश दुबई में ट्रेनिंग कर रहे हैं और वहीं से ताशकंद पहुंचेंगे। वह भी अपने इवेंट में एक मिनट 56.48 सेकेंड का ए क्वालीफिकेशन मार्क पार करना चाहेंगे। प्रकाश ने 2019 में मलेशिया में एक मिनट 58.03 सेकेंड के साथ बी क्वालीफिकेशन हासिल किया था। फरवरी में लात्विया में उन्होंने एक मिनट 59.31 सेकेंड का समय लिया था। पिछले सप्ताह कर्नाटक सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्विमंग पूल को बंद करने का निर्देश दिया था जिससे राष्ट्रीय टीम सीजन के पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की खास तैयारियां नहीं कर सकी थी।

भारोत्तोलक राखी डोप टेस्ट में फेल

नई दिल्ली। 2019 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला 64 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली राखी हल्दर डोप टेस्ट में फेल होने के कारण अगले सप्ताह होने वाले एशिया भारोत्तोलन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम से बाहर हो गई हैं। राष्ट्रीय स्तर के कोच ने कहा, राखी का राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने नवंबर 2020 में टेस्ट किया था लेकिन इसका नतीजा हाल ही में आया। इन्हें प्रारंभिक तौर पर निलंबित किया गया है। कोच ने कहा, अगर राखी जैसी भारोत्तोलक एशिया चैंपियनशिप से पहले डोप टेस्ट में फेल हो जाती हैं तो इससे उनके पिछले प्रदर्शन पर सवालिया निशान लगता है। नाडा ने मार्च में 19 ब्लड सैंपल सहित कुल 163 डोप सैंपल लिए थे। इस बीच, राष्ट्रीय स्तर के ग्रीको रोमन पहलवान मनीष और जूनियर पुरुष रेस वॉक 10 मीटर इवेंट में हिस्सा लेने वाले विश्वेंद्र सिंह भी डोप टेस्ट में फेल हो गए हैं। दोनों को प्रारंभिक तौर पर निलंबित किया गया है।

श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की प्रारंभिक टीम में तीन नए चेहरे

ढाका।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी श्रीलंका दौरे के लिए 21 सदस्यीय प्रारंभिक टीम घोषित की है। टीम में तीन नए खिलाड़ियों - मुकिदुल इस्लाम, शाहिदुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम को शामिल किया है। इस बीच, नुरुल हसन, शुवागाता होम और खलील अहमद की टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में शामिल रहे मुस्ताफिजुर रहमान, सौम्य सरकार और हमस महमूद इस सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। आईपीएल के कारण शाकिब अल हसन पहले ही सीरीज से हट चुके थे और उन्हें बीसीबी से इसके लिए एनओसी मिल गई थी। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। पहला टेस्ट 21 अप्रैल और दूसरा टेस्ट 29 अप्रैल से खेला जाएगा। दोनों मुकाबले पलेकेले में आयोजित होंगे। बीसीबी के मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल अबेदिन ने कहा, हमारे पास नेट गेंदबाज नहीं हैं, इसलिए हमने बड़ा दल चुना है। हमें इंट्रा टीम अभ्यास मैच भी खेलना है और इसके बाद ही हम टेस्ट टीम घोषित करेंगे। यह सीरीज पहले पिछले साल जुलाई में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद सीरीज को अक्टूबर-नवंबर में कराने पर विचार किया गया। लेकिन, बांग्लादेश टीम 14 दिनों तक श्रीलंका में क्वारिंटिन पीरियड पूरा नहीं करना चाहती थी जिस वजह से इसे कराना संभव नहीं हो सका।

बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है :

मोमिनुल हक (कप्तान), लिटन दास, मोहम्मद मिथुन, मुशफिकुर रहीम, तमीम खान, शादमान इस्लाम, अबु जायेद, तैजुल इस्लाम, नजमुल हुसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, नईम हसन, तस्कीन अहमद, एबादोत हुसैन, मोहम्मद हसन, यासिर अली, शोरिफुल इस्लाम, खलीद अहमद, मुकिदुल इस्माल, शुवागाता होम, शाहिदल इस्लाम और नुरुल हसन।

हॉकी : तीन देशों में प्रो लीग के मुकाबले स्थगित

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण प्रतिबंधों को देखते हुए मई में ऑस्ट्रेलिया, चीन और न्यूजीलैंड में होने वाले हॉकी प्रो लीग के मुकाबलों को स्थगित किया गया है।एफआईएच ने बयान जारी कर कहा, महासंघ भाग लेने वाले देशों के साथ स्थगित हुए मैचों को दोबारा कराने पर काम कर रहा है। मई में ऑस्ट्रेलिया, चीन और न्यूजीलैंड में होने वाले हॉकी प्रो लीग के मैचों को कोरोना प्रतिबंधों के कारण स्थगित किया जा रहा है। बयान में कहा, इस बारे में ज्यादा जानकारी जल्द से जल्द दी जाएगी। अर्जेंटीना और भारत के बीच ब्यूनस आयर्स में 10 और 11 अप्रैल को प्रो लीग के मैच होंगे। लगातार दो मैच खेलने से पहले भारत ने अर्जेंटीना के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेले जिसमें पहला मैच उसने जीता जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था।भारत को आठ और नौ मई को ब्रिटेन जाना है। ब्रिटेन की पुरुष और महिला टीमों को मई में जर्मनी की मेजबानी करनी है जबकि स्पेन की पुरुष और अमेरिका की महिला टीम को लंदन में मुकाबले खेलने हैं।

भारतीय मुक्केबाजी टीम के कोच धर्मेंद्र का तीसरी बार हुआ कोरोना टेस्ट

नई दिल्ली।

भारतीय मुक्केबाजी टीम के कोच धर्मेंद्र यादव का तीसरी बार कोविड टेस्ट किया गया है। धर्मेंद्र टूर्नामेंट के लिए इस्तांबुल पहुंचे थे। लेकिन वहां उनका दो बार कोरोना टेस्ट पॉजिटिव पाया गया और वह पिछले 15 दिनों से क्वारिंटिन में रह रहे हैं। धर्मेंद्र ने आईएएनएस से कहा, मैं घर वापस जाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। विदेश में 15 दिनों तक आइसोलेशन में रहना मजाक नहीं है। यह एक जेल की तरह है। मुझे कमरे में ही खाना मिलता है। इस्तांबुल में एक सप्ताह तक चले इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से निकहत जरीन (51 किग्रा) और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता गौरव सोलंकी (57 किग्रा) ने अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक जीते थे।

मोटर रेसिंग में खुद की पहचान बनाना आसान नहीं रहा : गरिमा अवतार

नई दिल्ली।

भारत की महिला मोटर रेसर गरिमा अवतार का कहना है कि चूंकी भारत में मोटर रेसिंग हमेश से पुरुष प्रधान खेल रहा है, लिहाजा उनके लिए इस खेल में खुद की पहचान बनाना काफी कठिन रहा। गरिमा भारत की शीर्ष महिला मोटर रेसर हैं। वह एक रेसर होने के साथ-साथ डेलटॉन केबल्स की वाइस प्रेसिडेंट भी हैं। गरिमा को 2013 में सर्वश्रेष्ठ महिला ड्राइवर का अवॉर्ड दिया गया था। मोटर रेसिंग आमतौर पर पुरुषों का खेल माना जाता है, ऐसे में गरिमा ने इस फील्ड में अपनी खुद की एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह सफर आसान नहीं था लेकिन उनकी लगन के कारण वह ऐसा करने में सफल रहीं। मर्सिडीज टीम ऑफ प्रोफेशनल ड्राइवर का हिस्सा रह चुकीं गरिमा ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, जब मैंने ड्राइविंग शुरू की तो मैंने रैली, फॉर्मुला रेसिंग या मोटर स्पोटर्स के बारे में इससे पहले सुना भी नहीं था। मेरे दोस्त या परिवार से से कोई इस खेल से जुड़ा भी नहीं था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह पूरी तरह अंजान था और शायद ही कोई महिला इसमें हिस्सा लेती थी। मेरे लिए मेंटर खोजना भी मुश्किल था। इसके बाद मुझे लगा कि मोटर रेसर बनने के लिए बड़ी मायने में वित्तीय समर्थन की जरूरत पड़ती है। गरिमा ने कहा, जब मैंने पहले रेस में हिस्सा लिया तो मेरी इसमें रूचि जागी और धीरे-धीरे मैंने अपना करियर बढ़ाया। मेरे लिए इतना आसान नहीं था। इसके बाद मैंने करियर में कई ट्रॉफी भी जीती। ट्रेनिंग के बाद मैंने इंटरनेशल रैली में हिस्सा लिया और एक्ट्रीम रैली में भाग लिया, जहां स्पीड काउंट होती है। महिला रेसर ने कहा, मेरा मानना है कि आपको हमेशा ट्रैक पर खुद को साबित करना होता है जिसके लिए लगातार तैयार रहने की जरूरत है। पिछले साल लॉकडाउन से ठीक पहले मैंने ट्रेनिंग ली थी, जहां मैंने एडवांस ड्राइविंग की ट्रेनिंग ली। गरिमा सेलीब्रिटी कॉमर्स के क्षेत्र में एशिया के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म-गोनट्स के माध्यम से अपने चाहने वालों तक पहुंचती हैं। गोनट्स के साथ जो उनकी साझेदारी है, उसके तहत उनके चाहने वाले अलग-अलग तरह के मैसेजेज का रिक्वेस्ट कर सकते हैं, जिनमें बर्थडे से लेकर एनिवर्सरी और पूरे परिवार के लिए फेस्टिव ग्रीटिंग्स के अलावा और भी बहुत कुछ शामिल है। गोनट्स का पोर्टफोलियो काफी व्यापक है। इस प्लेटफार्म पर फिल्म, टेलीविजन, खेल एवं संगीत के अलावा दूसरे फील्ड्स के 700 से अधिक सेलीब्रिटीज हैं।

जीत के लिये भूखे हैं, टेनिस की टीम स्पर्धाओं में उलटफेर होते रहते हैं: कप्तान विशाल उप्पल

नई दिल्ली : भारतीय फेड कप टेनिस टीम के कप्तान विशाल उप्पल ने शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाड़ी आगामी बिली जीन किंग कप (पहले फेड कप के नाम से पुकारा जाता था) मुकाबले में अपने से ऊंची रैंकिंग की लातवियाई टीम के खिलाफ आक्रामक होकर खेलेंगी और उन्हें भरोसा है कि वे इसमें प्रतिद्वंद्वी टीम को पराजित कर सकते हैं।भारतीय महिला खिलाड़ी विश्व ग्रुप प्ले ऑफ मुकाबले के लिये लातविया की यात्रा करेंगी जो 16 अप्रैल से जुर्माला में नेशनल टेनिस सेंटर लाईलूप के इंडोर कोर्ट पर खेला जायेगा। मेजबान टीम अपने शीर्ष खिलाड़ियों को उतारेगी जिसमें दुनिया की 47वें नंबर की अनास्तासिया सेवास्तोवा, 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको (53वीं रैंकिंग), डायना मार्सिंकेविका (274वीं रैंकिंग) और डेनिएला विस्माने (492) शामिल हैं। लातवियाई टीम के कप्तान एड्रियन्स जगुन्स हैं जिसमें कम अनुभवी पैट्रिसिया स्पाका भी मौजूद है। उप्पल ने टीम की रवानगी की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हम सिर्फ उत्साहित ही नहीं हैं बल्कि जीत के लिये भी भूखे हैं। हमें सिर्फ फायदा ही होगा, हम इस मुकाबले में कुछ भी गंवायेंगे नहीं। उन्होंने कहा, ''उनके पास शीर्ष 50 में शामिल खिलाड़ी हैं, इसलिये हमें हराने का दबाव उन पर होगा। हम प्रतिष्ठा के लिये नहीं खेल रहे लेकिन खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। भारतीय टीम शनिवार को लातविया पहुंच जायेगी और सोमवार को कोर्ट पर उतरने से पहले 24 घंटे पृथकवास में रहेगी।

'द बिग बुल' से अभिषेक बच्चन ने फूंका अपनी शानदार एक्टिंग का बिगुल!

फिल्म 'द बिग बुल' की पीआर टीम द्वारा प्रसारित: वरिष्ठ निर्माता आनंद पंडित फिल्मों के प्रति गहरी रुचि रखते हैं और उनके मुताबिक जानदार भूमिकाएं ही यादगार फिल्में बनाती हैं। उनकी फिल्म 'द बिग बुल,' अब दुनिया भर में देखी जा रही है Disney+Hotstar के ज़रिये और इस फिल्म के मुख्य कलाकार अभिषेक बच्चन की भूमिका को लेकर पंडित बहुत उत्साहित हैं। वे कहते हैं, 'मुझे खुशी है कि कोविड -19 की असंख्य चुनौतियों के बावजूद, फिल्म अब दुनिया भर में देखी जा सकेगी. मेरी लिए फिल्म की सबसे बड़ी खासियत है अभिषेक बच्चन की दमदार अदाकारी. उनकी अपनी ही एक खास जगह है अभिनय की दुनिया में जो बिल्कुल अनूठी है। फिल्म के कुछ दृश्यों में उनका किरदार हेमंत पुरानी फिल्म 'त्रिशूल' के यादगार चरित्र विजय की याद दिलाता है ख़ास कर तब जब वो सबसे ऊंचा उठने की जल्दी जताता है या ये कहता है की दस मिनट में वह करोड़ों का फायदा करवा सकता हैं। विजय ही की तरह हेमंत की रफ़्तार तेज़ है और वो बेहद महत्वकांशी है पर जिस तरह से अभिषेक ने इस किरदार को तराशा है वह बिलकुल अलग है। उनकी हलकी मुस्कान और शरारती आंखें हेमंत को एक अलग अंदाज़ में रंग देती हैं। उन्हें देख कर मुझे हिंदी सिनेमा की यादगार भूमिकाओं की याद आयी जिनमे उनकी अपनी फिल्म, 'गुरु' भी शामिल है।' पंडित आशा करते हैं की वह अभिषेक के साथ एक बार फिर काम करेंगे और कहते हैं, 'मैं उन्हें एक बिलकुल नए रूप में पेश करना चाहता हूँ। एक बदले की भावना से ग्रस्त एक्शन स्टार के रूप में या जीवन के बिलकुल करीब , एक आम आदमी की भूमिका में जो लोगों को चौंका दे. इस फिल्म में उनके अभिनय ने मुझे सच मुच स्तब्ध कर दिया, ख़ास कर फिल्म के अंतिम दृश्यों में।' 'द बिग बुल' को निर्देशित किया है कुकी गुलाटी ने और इसके निर्माता हैं अजय देवगन , आनंद पंडित, विक्रांत शर्मा और कुमार मंगत पाठक. फिल्म में अभिषेक के साथ है निकिता दत्ता ,इलीना डी क्रूज़ , सोहम शाह , राम कपूर और सौरभ शुक्ला।

आयुष्मान खुराना की फिल्म 'डॉक्टर जी' में नजर आएंगी दिल्ली क्राइम फेम शेफाली शाह

दिल्ली क्राइम वेब सीरीज से मशहूर हुई एक्ट्रेस शेफाली शाह आयुष्मान खुराना-स्टारर फिल्म 'डॉक्टर जी' के कलाकारों में शामिल हुई हैं। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिका में हैं। आयुष्मान जहां डॉ. उदय गुप्ता की भूमिका निभाएंगे, वहीं रकुल फिल्म में मेडिकल स्टूडेंट डॉ. फातिमा के रूप में नजर आएंगी। निर्माताओं ने फिल्म में अब अहम किरदार के तौर पर शेफाली शाह को भी कास्ट किया है। वह फिल्म में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नंदिनी की भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म को नये निर्देशक अनुभूति कश्यप ने द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। डॉक्टर जी के कलाकारों में शामिल होने पर अपनी मन की भावना व्यक्त करते हुए, शेफाली शाह ने कहा, 'मैं डॉक्टर जी का एक हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। सुमित, सौरभ, विशाल सहित लेखिकाओं ने अनुभूति के साथ एक शानदार पटकथा लिखी है। मैं वास्तव में अनुभूति, आयुष्मान, जंगली पिक्चर्स और अद्भुत टीम के साथ सहयोग करना चाहता हूं!' शेफाली का टीम में स्वागत करते हुए, निर्देशक अनुभूति कश्यप ने कहा, 'मैं शेफाली को टीम में शामिल करने के लिए रोमांचित हूं, वह अपनी सभी भूमिकाएँ बहुत आसानी और बारीकियों से निभाती हैं- मैं उनका एक प्रशंसक हूं! यह मेरी पहली फिल्म है, मैं वास्तव में प्रतिभा के ऐसे पॉवरहाउस के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' इससे पहले आयुष्मान और रकुल ने फिल्म की तैयारी के दौरान की तस्वीरें साझा कीं। बाला अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम कहानी पर डॉक्टर जी, एक हाइलाइटर और कुछ पेन की बाध्य स्क्रिप्ट की एक तस्वीर साझा की और लिखा, 'और यह शुरू होता है!'

फिर टली सलमान खान की फिल्म राधे की रिलीज डेट, 2022 ईद पर रिलीज होने की संभावना

सलमान खान, जो अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई की रिलीज़ के लिए तैयार हैं, उनके प्रशंसकों के लिए एक निराशाजनक खबर है। अभिनेता ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि कोविद -19 मामलों की संख्या में वृद्धि के कारण राधे को ईद 2022 तक स्थगित किया जा सकता है। यह फिल्म शुरू में ईद 2020 पर रिलीज़ होने वाली थी। हालांकि कोरोनोवायरस महामारी के कारण, इसकी रिलीज़ में देरी हुई। यह अब ईद 2021, यानी 13 मई को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार है। महाराष्ट्र में आंशिक लॉकडाउन के तहत है, और इस सप्ताह की शुरुआत में रात का कर्फ्यू और सप्ताहांत लॉकडाउन लगाया गया है जो प्रतिबंध 30 अप्रैल तक लागू रहेंगे। ऐसे में फिल्म रिलीज करने का सवाल नहीं उठ रहा। कोरोना वायरस के केस लगातार बढ़ रहे हैं। दिग्गज अभिनेता कबीर बेदी की बुक लॉन्च पर बोलते हुए, सलमान खान ने भारत में कोविद -19 मामलों में वृद्धि के बारे में बात की और यह उनकी अगली फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई की रिलीज को कैसे प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा, 卐हम राधे को रिलीज करने जा रहे थे, हम अभी भी इसे ईद पर रिलीज करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अगर लॉकडाउन जारी रहता है, तो हमें इसे अगले ईद पर रिलीज करना पड़ सकता है।

दीपिका पादुकोण ने लॉन्च की अपनी वेबसाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। दीपिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। वहीं अब दीपिका ने अपने फैंस को एक खास तोहफा दिया है। दीपिका ने अपनी वेबसाइट लॉन्च कर दी है। जिसकी जानकारी खुद उन्होने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर दी है। दीपिका पादुकोण ने www.deepikapadukone.com नाम की वेबसाइट लॉन्च की है। दीपिका ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अनुभव www.deepikapadukone.com उन्होंने बताया कि वेबसाइट में क्या क्या शामिल होगा। दीपिका पादुकोण की वेबसाइट पर उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स, सोशल वर्क और अन्य सुविधाएं भी होंगी। दीपिका पादुकोण के इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में कहा है कि हाय, मैं आज अपनी वेबसाइट लॉन्च करने के लिए एक्ससाइटेड हूं। यह कई महीनों से कामों में है और कोरोना महामारी के कारण इसमें देरी हुई है, लेकिन, यह अंत में अब यह तैयार है। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण को आखिरी बार जनवरी 2020 में रिलीज हुई फिल्म छपाक में देखा गया था। ये फिल्म पर्दे पर खास कमाल नहीं कर पाई थी लेकिन एक्ट्रेस की एक्टिंग की काफी तारीफ की गई थी। इतना ही नहीं दीपिका पादुकोण अपकमिंग फिल्म 83 में अपने पति और अभिनेता रणवीर सिंह के साथ दिखाई देंगी। इसके अलावा वह बैजू बावरा, फाइटर, सैंकी और पठान में भी दिखाई देंगी।

अब बच्चों को प्रेरणा देंगे कपिल शर्मा, चौथी क्लास के सिलेब्स में शामिल हुई कॉमेडी किंग की स्टोरी

कपिल शर्मा ने अपनी कॉमेडी से एक अलग पहचान बनाई है। कपिल आज जिस मुकाम पर है वहां तक पहुचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है। अब कपिल शर्मा की यह मेहनत बच्चों को भी पढ़ाई जाएगी। कपिल की जीवनी बच्चों के सिलेब्स का हिस्सा बन गई है। कपिल शर्मा का चैप्टर जीके की बुक में पढ़कर चौथी क्लास के बच्चे उनकी जिंदगी के प्रेरणा ले सकेंगे। कपिल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उनके किसी फैन क्लब ने ये पोस्ट किया है जिसमें कपिल का चैप्टर किताब में छपा दिखाया गया है। कपिल ने इसे रि-पोस्ट किया है। इस पोस्ट में देखा जा सकता है कि कपिल के बारे में विस्तार से लिखा गया है। तस्वीर में दिख रहे चैप्टर में कपिल शर्मा की फोटो लगी है। इसका टाइटल द कॉमेडी किंग कपिल शर्मा है। दूसरी तस्वीर में वो अपनी टीम के साथ खड़े हैं जिसमें उनके शो के पुरानी साथी नवजोत सिंह सिद्धू भी नजर आ रहे हैं। कपिल शर्मा ने अपना जो मुकाम बनाया है वो भारत के अब तक के कॉमेडी स्टार्स के इतिहास का सबसे बड़ा पैमाना है। कपिल पिछले एक दशक से भी ज्यादा वक्त से टीवी के भी किंग बने हुए हैं। स्टैंड अप कॉमेडी से शुरू हुआ उनका करियर आज कॉमेडी के किंग के मुकाम पर जा पहुंचा है।

पगड़ी पहनकर शहनाज गिल ने दिलजीत दोसांझ को किया इंप्रेस! सिंगर ने कहा- सबसे प्यारा सरदार

शहनाज गिल ने बिग बॉस 13 का सीजन भले ही न जीता हो लेकिन लोगों का दिल जरुर जीत लिया था। शहनाज गिल बिग बॉस 13 की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली प्रतियोगी थी। सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी जोड़ी को लोगों ने खूब पसंद किया। घर से बाहर आने के बाद दोनों ने साथ में कई वीडियो सॉन्ग किये, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल दोनों की अपने करियर में आगे बढ़ रहे हैं। शहनाज गिल जल्द ही दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म हौंसला रख में नजर आने वाली हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कई तस्वीर वायरल हुई हैं, जिसमें हम शहनाज गिल और दिलजीत दोसांझ को साथ में देख सकते हैं। दोनों की जोड़ी काफी क्यूट लग रही हैं। पंजाब इंडस्ट्री के कई सेलेब्रिटी ने दोनों की तस्वीर पर प्यार भरा कमेंट किया है। शहनाज गिल की नई तस्वीरों ने उनके हौंसला रख के सह-कलाकार दिलजीत दोसांझ को खुश कर दिया। शहनाज़ ने एक पगड़ी लुक दिया, जिसे इंटरनेट शहनाज गिल को ट्रेंड करवा दिया। शहनाज गिल का पकड़ी के साथ सरदार लुक लोग काफी पसंद कर रहे हैं। अभी तक उन्हें उनके फैंस सबसे प्यारा सरदार कह रहे हैं। शहनाज गिल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की। शहनाज ने अपनी तस्वीरें साझा कीं और पृष्ठभूमि में दिलजीत दोसांझ का गीत 'सरदारजी' बजाया। फिल्म के एक टीम के सदस्य, गुरपताप सिंह कंग, शहनाज़ के साथ दिखाई देते हैं। गुरपताप सिंह कंग ने शहनाज़ को लुक पाने में मदद की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक सड़कें ब्लॉक न की जाएं

नई दिल्ली। नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली के बीच धरना प्रदर्शन के दौरान बंद रास्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की है। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक सड़कों को अवरुद्ध नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी नोएडा की रहने वाली महिला मोनिका अग्रवाल ने याचिका पर सुनवाई के दौरान की। पिछले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों मे नोएडा से दिल्ली जाने की परेशानी और गाजियाबाद के कौशांबी में यातायात की अव्यवस्था पर संज्ञान लिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने नोएडा से दिल्ली जाने में 20 मिनट के बजाए दो घंटे लगने की शिकायत पर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। इसके अलावा गाजियाबाद कौशांबी की यातायात अव्यवस्था पर उत्तर प्रदेश और दिल्ली के उच्च अधिकारियों की नौ सदस्यीय कमेटी गठित करते हुए कमेटी से ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान मांगा था। दोनों ही मामलों में स्थानीय निवासी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।नोएडा निवासी महिला मोनिका अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर गुहार लगाई है कि नोएडा से दिल्ली जाना एक दुःस्वप्न जैसा है क्योंकि 20 मिनट में तय होने वाला रास्ता पार करने में दो घंटे लगते हैं। जबकि गाजियाबाद कौशांबी के मामले में कौशांबी अपार्टमेंट रेंजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और आशापुष्प विहार आवास विकास समिति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने पिछले सुनवाई में कमेटी को ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान तैयार करके पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि प्लान तैयार करते समय सभी पहलुओं जैसे यातायात रेगुलेट करना और पब्लिक सर्विस वाहनों की पार्किंग के लिए निश्चत जगह चिन्हित करना भी शामिल है। कोर्ट ने कमेटी से अगली सुनवाई तक प्लान पेश करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि कौशांबी की यातायात समस्या सिर्फ गाजियाबाद या सिर्फ उत्तर प्रदेश की नहीं है इसमें पूर्वी दिल्ली नगर निगम को भी मिलकर काम करना होगा। आनंद विहार टर्मिनल पर दिल्ली परिवहन की बसों को भी देखने की जरूरत है। समग्र ट्रैफिक प्लान तैयार कर कोर्ट में पेश किया जाए।

रेलवे ने दी सफाई, अधिक ट्रेनें चलाने का गलत मतलब निकाल रहे लोग, अफवाहों पर न दें ध्यान

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण फैलने के बाद अब तरह-तरह की अफवाहें भी फैलने लगी हैं। कामकाजी और मजदूर वर्ग इससे खासे परेशान हैं। रेलवे स्टेशनों पर उमड़ रही भीड़ को देखकर भी तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। लोगों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया है कि अभी नाइट कर्फ्यू लगा है उसके बाद लॉकडाउन लगाया जाएगा। पिछली बार लोगों को कई किलोमीटर पैदल ही चलना पड़ा था, इस वजह से अबकी बार लोग पहले ही अपने घरों को पहुंच जाना चाहते हैं।

बड़े शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता के स्टेशनों पर तो दिहाड़ी मजदूरों और अन्य की भीड़ लगने लगी है। इन शहरों में कई फैक्ट्री मालिकों ने तो अपने यहां काम करने वाले मजदूरों से कह दिया है कि वो घर चले जाएं, वरना बाद में मुसीबत होगी तो वो जिम्मेदार नहीं होंगे। इस तरह की बातें सामने आने के बाद अब ऐसे वर्ग के लोग स्टेशन पर पहुंचकर ट्रेन से अपने घरों को जाने के लिए निकल लिए हैं। इस वजह से स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या भी अधिक दिखने लगी है। स्टेशनों पर बढ़ी भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे की ओर से भी सफाई दी गई है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान जो ट्रेनें बंद की गई थी, अब तक उसमें से अधिकतर पटरी पर चलने लगी है मगर ये बात भी सच है कि स्थिति अभी पहले की तरह नहीं हो पाई है। लॉकडाउन के दौरान बंद की गई ट्रेनों में से 88 फीसद पटरी पर चल रही हैं।

गैंगस्टर गोगी और साथी मकोका में गिरफ्तार, 15 दिन की पुलिस रिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कई गिरोहों के साथ मिलकर दिल्ली, एनसीआर, यूपी व हरियाणा में फायरिंग कर उगाही करने वाले गोगी गिरोह के सरगना जितेंद्र मान उर्फ गोगी पर शिकंजा कस दिया है। स्पेशल सेल ने गोगी व उसके साथी रोहित उर्फ मोई को मकोका में गिरफ्तार किया है। दोनों को 15-15 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस इनके आर्थिक साम्राज्य को खंगालने में लगी हुई है। पुलिस का अनुमान है कि गोगी गिरोह ने अन्य गिरोह के साथ मिलकर करोड़ों रुपये की चल-अचल प्रॉपर्टी बना ली है।

स्पेशल सेल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्पेशल सेल की लोदी कॉलोनी यूनिट में गोगी गिरोह के खिलाफ मकोका का केस दर्ज किया था। स्पेशल सेल ने अभी तक गोगी गिरोह के 10 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। अब मंडोली जेल में बंद जितेंद्र मान उर्फ गोगी और तिहाड़ जेल में बंद मोहित मोई को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर मकोका में छह अप्रैल को गिरफ्तार किया है। मकोका में अब गोगी गिरोह के 12 बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं। इस गिरोह का एक बदमाश कुलदीप मान उर्फ फज्जा कुछ दिन पहले रोहिणी इलाके में हुई मुठभेड़ में ढेर हो गया था। कुलदीप मान फिल्मी स्टाइल में जीटीबी अस्पताल से फरार हो गया था। अलीपुर गांव, दिल्ली के रहने वाले जितेन्द्र गोगी की टिल्लू ताजपुरिया गिरोह से गैंगवार चलती रही है। ये दोनों पहले दोस्त हुआ करते थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रद्धानंद कॉलेज में हुए चुनावों को लेकर इनमें मनमुटाव पैदा हो गया। इसके बाद टिल्लू ताजपुरिया व उसके साथी राजू ने अपनी गाड़ी पर लिखवा लिया था कि टिल्लू व राजू गोगी के जीजा हैं। इसके बाद गाड़ी को गांव व कॉलेज में घुमा दिया था। यहां से गोगी व राजू की रंजिश शुरू हो गई थी। गोगी ने राजू की हत्या कर दी थी। इसके बाद दोनों ही गिरोह में गैंगवार शुरू हो गई थी।स्पेशल सेल ने दिल्ली के मोस्टवांटेड गैंगेस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को उसके तीन साथियों कुलदीप, रोहित उर्फ मोई और कपिल के साथ वर्ष 2018 में गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था। गोगी पर दिल्ली से 4 लाख और हरियाणा में 2 लाख का इनाम घोषित था।

भारत में वैक्सीन की मांग पर बढ़ी चिंता, कोवैक्स ने कहा- सीरम कानूनी तौर पर टीका सप्लाई करने को बाध्य

नई दिल्ली। कोवैक्स की तरफ से कहा गया है कि भारत का सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया वैश्विक रूप से कोरोना वायरस वैक्सीन प्रदान करने के लिए कानूनी तौर पर बाध्य है। कोवैक्स की को-लीड गावी यानी ग्लोबल अलायंस फॉर वैक्सीन्स एंड इम्युनाइजेशन ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि कानूनी तौर पर एक ऐसा प्रवाधान है जो घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के मामले को जटिल बना सकता है।

गावी के प्रवक्ता ने एक ईमेल के माध्यम से कहा कि भारत में संक्रमण के मामले 1.30 करोड़ पार चुका है। ऐसे में भारत ने अपने देश में बढ़ रही टीके की मांग के चलते पिछले महीने सभी प्रमुख निर्यातों को निलंबित कर दिया। ऐसे में गावी के साथ हुआ समझौता कानूनी रूप से बाध्यकारी है। बता दें कि गावी एक पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी के तहत किया गया एक गठबंधन है, जो विकासशील देशों को वैक्सीन पहुंचाने का काम करता है। बता दें कि इससे पहले भी गावी की तरफ से कहा गया था कि भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी आने के कारण कोरोना वैक्सीन सप्लाई करने में देरी हो सकती है क्योंकि भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की घरेलू मांग बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम ने एक भारतीय टीका निर्माता से नौ करोड़

खुराक की आपूर्ति मिलने में देरी का एलान भी किया था। जो कम और मध्यम आय वाले देशों को महामारी से लड़ने के लिए महत्वाकांक्षी टीके की आपूर्ति की दिशा में बड़ा झटका माना जा रहा है।

हाल ही में ये दावे किए गए थे कि भारत में कोरोना वैक्सीन की कमी हो रही है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने देश में कोविड टीकों की कमी के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना टीकों की सप्लाई बढ़ाई जा रही है। इस दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी कहा कि 'कोवैक्स' कोविड-19 रोधी टीकों की उपलब्धतता कम होने और भारत में इसकी मांग बढ़ने के बावजूद सभी देशों को टीके मुहैया करा सकता है। दुनियाभर में कोरोना के टीके उपलब्ध कराने की वैश्विक पहल 'कोवैक्स' अब तक 100 से अधिक देशों में ये जीवनरक्षक वैक्सीन उपलब्ध करा चुका है। अभी तक तीन टीका निर्माताओं एस्ट्राजेनेका, फाइजर-बायोएनटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने छह महाद्वीपों पर 3.8 करोड़ से अधिक टीकों की आपूर्ति की है। जिन 100 देशों को टीके दिए गए हैं, उनमें से 61 देश, 92 कम आय वर्ग वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं।

केरल के मछुआरों के हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को आदेश, पीड़ित के परिजनों को मिले मुआवजा राशि

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने शुक्रवार को कहा कि पीड़ित पक्ष को मामले में मुआवजा दिया जाना चाहिए और केंद्र इस बात को सुनिश्चित करे। वर्ष 2012 में इतालवी मरींस द्वारा केरल के तट पर दो भारतीय मछुआरों की हत्या की गई थी जिसके लिए इटली की ओर से दी गई मुआवजे की राशि को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने को केंद्र को निर्देश दिया कि इसे पीड़ित के परिजनों के खाते में जमा करा दिया जाए।

चीफ जस्टिस एसए बोबडे और जस्टिस एएस बोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यन की बेंच ने कहा कि शीर्ष कोर्ट मृतक मछुआरों के परिजनों को मुआवजा दिलवाएगी। बेंच ने कहा कि मुआवजे की राशि जमा होने के एक सप्ताह बाद कोर्ट में केंद्र की याचिका पर सुनवाई की जाएगी जिसमें इटली के नाविकों के खिलाफ मामले को बंद करने अपील की गई है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने कहा है कि मछुआरे की हत्या के मामले में दो इतालवी मरींस के खिलाफ चल रहे मामले को बंद कर दिया जाए। इससे पहले की सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि वह मृतक के परिजनों को सुने बिना केस बंद नहीं करेंगे और उन्हें पर्याप्त मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया था कि मृतक के परिजनों को संपर्क किया गया है और उन्हें बकाया मुआवजा भी दे दिया गया। पिछले साल सात अगस्त को कहा था कि केरल के मछुआरों की हत्या मामले में जब तक वह पीड़ित पक्ष को नहीं सुन लेती तब तक कोई आदेश पारित

नहीं करेगी। गौरतलब है कि 15 फरवरी 2012 को इटली के दो मरींस साल्वाटोर गिरोन और मास्सीमिलिआनो लातोर पर केरल के मछुआरों की हत्या का आरोप है। ये दोनों इतालवी मरींस इटली के तेल टैंकर MV Enrica Le&ie पर सवार थे और केरल के मछुआरे भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र में नाव पर थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें शर्तो के साथ अपने देश जाने की इजाजत दी थी।

बिना अनुमति के भारतीय समुद्री सीमा में अमेरिकी नौसेना ने किया ऑपरेशन, बिगड़ सकते हैं कूटनीतिक रिश्ते

नई दिल्ली। अमेरिकी नौसेना की ओर से भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में एक ऑपरेशन की खबर है। अमेरिका की नौसेना ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। अमेरिकी नौसेना ने बताया कि यूएसएस जॉन पॉल जोन्स (डीडीजी 53) ने लक्षद्वीप समूह के लगभग 130 समुद्री मील पश्चिम में किया गया है।

यूएस नेवी ने कहा कि अतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप भारत की पूर्व सहमति के अनुरोध के बिना ही यह आपरेशन किया गया है।

यह अमेरिकी ऑपरेशन भारत की मैरीटाइम सिक्योरिटी पॉलिसी के खिलाफ है। अमेरिकी नौसेना की सातवीं फ्लीट उसका सबसे बड़ा बेड़ा है।

एक अधिकारी ने कहा कि किसी भी तटीय देश की एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन की सीमा समुद्र तट से 200 नॉटिकल मील यानी 370 किमी की दूरी तक होती है। ऐसे में इस

क्षेत्र में किसी सैन्य गतिविधि के लिए भारत की इजाजत की जरूरत होती है। बता दें कि इस तरह की हरकत अंडमान निकोबार में साल 2019 में चीनी जहाज द्वारा की गई थी।

बता दें कि अब तक इस मामले में नौसेना और विदेश मंत्रालय से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। हालांकि अमेरिकी नौसेना की ओर से कहा गया है कि हम रूटीन और नियमित तौर पर फ्रीडम ऑफ नेविगेशन ऑपरेशन करते हैं। अमेरिकी नौसेना की ओर से कहा गया कि हमने पहले भी ऐसा किया है और भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे।

कोरोना संकटः राहुल गांधी का पीएम मोदी को पत्र, कहा- देश में हो रही कमी, लेकिन विदेश को बांट रहे वैक्सीन

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कोरोना वायरस के टीके की खरीद एवं वितरण में राज्यों की भूमिका बढ़ाई जाए और टीके निर्यात पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने आठ अप्रैल की तिथि वाले इस पत्र में यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से सही तरीके से क्रियान्वयन न किए जाने और उसमें 'लापरवाही' के कारण टीकाकरण का प्रयास कमजोर पड़ता दिख रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि टीके के आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी संसाधन मुहैया कराए जाएं ताकि टीके तैयार करने की क्षमता में इजाफा हो सके। कांग्रेस नेता ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण की नई लहर आने और टीकाकरण की गति कथित तौर पर धीमी होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि अगर मौजूदा गति से टीकाकरण चलता रहा तो देश की 75 फीसदी आबादी को टीका लगाने में कई साल लग जाएंगे।

टीके के निर्यात पर रोक लगाने का किया आग्रह

उन्होंने यह आग्रह किया कि, %टीके के निर्यात पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार दूसरे टीकों को त्वरित अनुमति दी जाए। जिन्हें भी टीके की

जरूरत है उनके लिए टीकाकरण की व्यवस्था की जाए। टीकाकरण के लिए तय राशि 35000 करोड़ रुपये में बढ़ोतरी की जाए।

गरीब तबकों को सीधी आर्थिक मदद देने का किया आग्रह

उन्होंने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि टीके की खरीद एवं वितरण में राज्यों की भूमिका बढ़ाई जाए तथा इस मुश्किल समय में गरीब तबकों को सीधी आर्थिक मदद दी जाए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पत्र में कहा, हमारे टीकाकरण अभियान को, अब टीके के प्रमाणपत्र पर किसी व्यक्ति की तस्वीर से आगे, अधिकतम टीकाकरण की दिशा में बढ़ाना होगा। दरअसल, टीकाकरण को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि देश में टीके की कोई कमी नहीं है। टीके की कमी कहने वाले लोग राजनीति कर रहे हैं। पिछले दिनों कई राज्य सरकारों ने वैक्सीनेशन कम होने का दावा किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, यूपी, ओडिशा, झारखंड समेत अन्य राज्यों में पर्याप्त मात्रा में कोरोना टीके का स्टॉक नहीं होने से केंद्रों पर वैक्सीनेशन का काम रोक दिया गया है। पिछले दो दिनों से महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे का कहना है कि महाराष्ट्र में कोरोना वैक्सीन की किल्लत की वजह से लोगों को टीका लगाए बिना ही वापस भेजे जा रहे हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री टोपे का आरोप है कि केंद्र महाराष्ट्र के साथ टीकाकरण में भेदभाव कर रही है।

बंदरों का इस्तेमाल कर लोगों को लूटते थे दो बदमाश, अब हुए गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में बंदरों का इस्तेमाल कर लोगों को डराने और लूटने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपी बलवान नाथ (26) और विक्रम नाथ (23) गुरुवार को चिराग दिल्ली बस स्टैंड के निकट किसी का इंतजार कर रहे थे तभी पुलिस की टीम ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस ने कहा कि दोनों बंदरों को वन्यजीव केंद्र को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार शहर के ओखला मोड़ के निकट रहने वाले आरोपी अपने तीसरे साथी अजय के साथ मिलकर बंदरों का इस्तेमाल करके लोगों को डराते और उनका कीमती समान लूटते थे। अजय को पकड़ने के प्रयास जारी हैं, जो अभी फरार है। आरोपियों ने करीब तीन महीने पहले तुगलकाबाद किले के जंगल से बंदरों को पकड़ा था। पुलिस के अनुसार मामला दो मार्च को सामने आया जब खिड़की एक्सटेंशन में रहने वाले एक अधिवक्ता ने शिकायत दी कि बंदरों

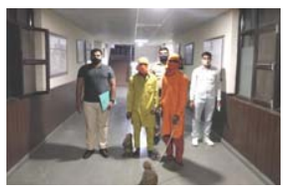

के साथ आए तीन लोगों ने उन्हें घेरकर उसने जबरन छह हजार रुपये लूट लिए। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ मालवीय नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 392 और 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इसके अलावा उनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम,1972 की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

गंगाराम अस्पताल बना सबसे बड़ा हॉट स्पॉट, 37 डॉक्टर संक्रमित, पांच की हालत गंभीर

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ने के साथ ही अस्पतालों के हॉट स्पॉट जोन में तब्दील होने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। संक्रमण की तीसरी लहर गुजरने के बाद पहली बार किसी अस्पताल में तीन दर्जन से भी ज्यादा कर्मचारी कोरोना वायरस की चपेट में आए हैं। जानकारी के अनुसार दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में एक साथ 37 डॉक्टर कोरोना संक्रमित हुए हैं। इनमें 32 डॉक्टर होम आइसोलेशन हैं और पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया है। फिलहाल राजधानी में यह सबसे बड़ा हॉट स्पॉट के रूप में सामने आया है। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को सभी डॉक्टरों की रिपोर्ट आई है। 37 डॉक्टर संक्रमित हुए हैं। हालांकि ज्यादातर डॉक्टरों में संक्रमण का हल्का असर है लेकिन एहतियात के तौर पर इन्होंने खुद को होम आइसोलेट कर लिया है लेकिन पांच डॉक्टरों की हालत गंभीर है।

इनकी आयु भी 50 वर्ष से अधिक है। इन डॉक्टरों को तत्काल गंगाराम अस्पताल के ही कोविड वार्ड में भर्ती किया है। जानकारी मिली है कि इनमें से अधिकांश डॉक्टर कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन ले चुके हैं। दोनों डोज लेने के बाद भी इनके कोरोना संक्रमित होने को लेकर अस्पताल में तमाम तरह की चर्चाएं भी शुरू हो चुकी हैं। हालांकि वैक्सीन को लेकर अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग ने कुछ भी कहने से फिलहाल इंकार कर दिया। कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी चपेट में अस्पतालों के कर्मचारी तेजी से बड़ी संख्या में आ रहे हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 50 से ज्यादा कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित होने का खुलासा हुआ है। पिछले एक सप्ताह में 50 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सभी नॉन कोविड सेवाएं तत्काल प्रभाव से स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है, ऐसे में अब अस्पताल धीरे-धीरे अपनी सेवाएं फिर से स्थगित करके कोविड मरीजों के लिए आरक्षित करने लगे हैं। इन्हीं में एक नाम है दिल्ली के राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का।

अस्पताल प्रशासन ने घोषणा की है कि राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सभी नॉन-कोविड सेवाओं को तत्काल प्रभाव से यानी आज(9 अप्रैल) से स्थगित किया जा रहा है। अब इस अस्पताल में सिर्फ कोविड मरीजों का इलाज होगा।

दिल्ली एम्स बना कोरोना का हॉट स्पॉट, 50 संक्रमित

कोरोना वायरस के मामले तोजी से बढ़ रहे हैं। साथ ही अस्पतालों के हॉट स्पॉट बनने का सिलसिला जारी है। दिल्ली एम्स में 50 से ज्यादा कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण होने का खुलासा हुआ है। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पिछले एक सप्ताह में 50 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी कोरोना से संक्रमित मिले।

जानकारी के अनुसार अस्पताल के मेडिसिन विभाग में कुछ डॉक्टर संक्रमित हुए हैं। वहीं सर्जरी विभाग के कई डॉक्टर भी कोरोना संक्रमित हुए हैं। डॉक्टरों के अनुसार कर्मचारियों के लगातार संक्रमित होने की वजह से ही एम्स प्रबंधन ने ऑपरेशन थियेटर बंद करने का फैसला लिया है। यहां सिर्फ इमरजेंसी मामलों में ही सर्जरी की जाएगी।

दिल्ली में कोरोना : रोजाना औसतन 15 लोग गंवा रहे जान

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना संक्रमण के मामले रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रहे हैं। आठ दिन में ही 35 हजार से ज्यादा लोगों में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि,राहत की बात यह है कि जिस हिसाब से मरीज बढ़ रहे हैं, उसके मुकाबले मौतों का आंकड़ा काफी कम है। संक्रमण की पिछली तीन लहर के मुकाबले इस चौथी लहर में सबसे कम लोगों ने जान गंवाई है। विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण का नया स्ट्रेन पहले के वायरस के मुकाबले कम घातक है।दिल्ली में इस समय चल रही चौथी लहर के आठ दिनों में 130 लोगों की मौत हुई है। जबकि, जून में आई पहली लहर के आठ दिनों में 410 लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद सितंबर में (आठ दिन में) 199 मौतें हुई थी। जबकि, नवंबर में इतने ही दिनों में मौत का आंकड़ा 549 पहुंच गया था।

इस लिहाज से देखें तो इस बार सबसे कम मौत हुई है। मरीज भले ही तेजी से बढ़ रहे हैं ,लेकिन मौत की संख्या में ज्यादा इजाफा नहीं हो रहा है। अब प्रतिदिन औसतन 15 लोगों की मौत हो रही है। जबकि पिछले तीन लहर में यह आंकड़ा 68 तक भी पहुंच गया था। एम्स के डॉक्टर विक्रम बताते हैं कि चौथी लहर में पहले के मुकाबले कम लोगों की मौत हो रही है।इसका कारण यह हो सकता कि नया संक्रमण भले ही तेजी से फैल रहा है, लेकिन यह कम घातक है। उन्होंने कहा कि तेजी से मामलों का बढ़ना चिंता का विषय है। लोगों को काफी सतर्क रहने की जरूरत है। जरूरी है कि मौत की संख्या को और भी कम किया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से निपटने और वैक्सीन आपूर्ति को लेकर सहयोग जारी रखेंगे भारत और नेपाल

काठमांडू।

नेपाल और भारत के विदेश मंत्रियों के बीच टेलीफोन पर बातचीत के दौरान कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सहयोग जारी रखने पर दोनों देशों ने सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने अन्य मामलों के अलावा वैक्सीन की आपूर्ति सहित महामारी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार दोपहर को टेलीफोन पर बातचीत की। नेपाल में विदेश मंत्रालय के अनुसार, नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली ने अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से फोन पर बातचीत की और दोनों मंत्रियों ने कोविड को लोकर सहयोग और वैक्सीन की आपूर्ति के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय के ट्वीट में कहा गया है, नेपाल-भारत ने कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सहयोग जारी रखा है। विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली ने आज दोपहर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने महामारी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग को और मजबूत करने पर विचार विमर्श किया, जिसमें टीकों की आपूर्ति भी शामिल है। बैठक के दौरान ग्यावली ने जयशंकर से अनुरोध किया कि वह उन्हें 10 लाख कोविड वैक्सीन की खुराक उपलब्ध कराएं, जो नेपाल ने भारत से सीरम संस्थान से मंगवाई थी। सीरम संस्थान ने 20 लाख खुराक में से आधी आपूर्ति नहीं की है, जिसके लिए नेपाल ने कुल लागत का 80 प्रतिशत भुगतान करके इसके लिए एक ऑर्डर दिया है। ग्यावली और जयशंकर के बीच बातचीत ऐसे समय पर हुई है, जब नेपाल और भारत दोनों देशों में कोविड-19 मामलों की संख्या में भारी वृद्धि हो रही है। पिछले कुछ दिनों से दोनों ही देशों में रिकॉर्डतोड़ नए कोरोना मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को नेपाल में जहां 288 नए कोरोना मामले सामने आए, वहीं भारत में 1.3 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। दोनों मंत्रियों ने भारत से हिमालयी राष्ट्र में आने वाले लोगों की जांच करने के लिए नेपाल-भारत सीमा पर कमर कसने को लेकर भी चर्चा की। नेपाल और भारत लंबी और खुली सीमाएं साझा करते हैं और दोनों ओर के लोगों का अक्सर आना-जाता होता रहता है। भारत में कोरोनावायरस के मामलों की संख्या में अचानक वृद्धि नेपाली अधिकारियों के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि दोनों देश 1,800 किलोमीटर लंबी खुली सीमा साझा करते हैं, जिसके माध्यम से दोनों देशों के लोग क्रॉसओवर करते हैं। दूसरी ओर, भारत से आपूर्ति की कमी के कारण नेपाल में टीकाकरण अभियान रुक गया है। लगभग 18

लाख लोगों को कोविशिल्ड टीका लगाने के बाद, नेपाल ने टीकों की कमी के चलते 15 मार्च के बाद अपने टीकाकरण अभियान को स्थगित कर दिया था। नेपाल की सीरम संस्थान की ओर से 50 लाख वैक्सीन की खुराक खरीदने की योजना अधर में लटकी है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने दक्षिण कोरियाई पोत को मुक्त किया - सोल

सोल। दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि तेहरान ने देश के एक तेल टैंकर को मुक्त कर दिया है, जिसे 4 जनवरी को ईरान ने अपने कब्जे में ले लिया था मंत्रालय के अनुसार, एमटी हनकुक चेमी के 19 नाविकों को 2 फरवरी को मुक्त कर दिया गया था, जिसके बाद अब पोत और इसके कैप्टन को रिहा कर दिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टैंकर के प्रबंधन के लिए कैप्टन जहाज में बने हुए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने जनवरी में तेहरान में दक्षिण कोरियाई उप विदेश मंत्री की यात्रा के बाद ईरानी विदेशी अधिकारियों के साथ करीबी संचार के माध्यम से पोत को मुक्त करने में तेजी लाने के लिए कहा था। पोत की स्थिति अच्छी है। साथ ही कैप्टन और सैलर्स भी स्वस्थ्य हैं। कथित रासायनिक प्रदूषण के कारण जनवरी की शुरुआत में दक्षिण कोरियाई जहाज को ईरान की सेना द्वारा जब्त कर लिया गया था। जहाज में 20 नाविक थे, जिनमें पांच दक्षिण कोरियाई, 11 म्यांमार के नागरिक, दो इंडोनेशियाई और दो वियतनामी शामिल थे।

चीन-भूटान सीमा मुद्दे पर विशेषज्ञ दल की बैठक खुनमिंग में आयोजित

बीजिंग। चीन के खुनमिंग शहर में 6 से 9 अप्रैल तक चीन-भूटान सीमा सवाल पर विशेषज्ञ दल की 10वीं बैठक आयोजित हुई । वार्ता सौहार्द और मैत्रीपूर्ण माहौल में आयोजित हुई । दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दे पर गहराई से विचार-विमर्श किया । इस बैठक में चीन-भूटान सीमा सवाल पर वार्ता तेज करने के रोडमैप पर भी विचार किया गया। दोनों पक्ष सहमत हुए कि सीमा सवाल के समाधान से पहले सीमांत क्षेत्र की शांति व अमनचैन की सुरक्षा की जाएगी । दोनों पक्षों के बीच इस बात पर भी सहमति कायम हुई कि उचित समय पर यथाशीघ्र ही 25वें दौर की सीमा वार्ता और विशेषज्ञ दल की 11वीं बैठक आयोजित की जाएगी । सद्भावना और मित्रता दिखाने के लिए चीन सरकार ने भूटान को कोविड-19 महामारी रोधी चिकित्सा सामग्री दान की । ध्यान रहे कि वर्ष 1984 में चीन-भूटान सीमा वार्ता शुरू हुई थी। वर्ष 1988 में दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दे के समाधान के निर्देशक सिद्धांत पर हस्ताक्षर किए और वर्ष 1998 में चीन-भूटान सीमा क्षेत्र में शांति व अमन चैन बनाए रखने की संधि पर हस्ताक्षर किए । ये दोनों समझौते चीन-भूटान सीमा वार्ता का आधार हैं।

PUBG के पागलपन में शख्स ने गेम सीन 'रीक्रिएट' के लिए परिवार पर बरसाई गोलियां, 2 की मौत

पेशावरः पबजी की लत अब इतनी खतरनाक साबित हो रही है कि इसे खेलने वाले लोगों की जान लेने से भी नहीं हिचक रहे। इसकी ताजा मिसाल पाकिस्तान के लाहौर में सामने आई है जहां एक शख्स ने पबजी गेम का मजा लेने के लिए परिवार पर ही धड़ाधड़ गोली बरसा दीं जिससे 2 लोगों की मौत हो गई व तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार आरोपी को'पबजी' गेम की लत थी। इसलिए उसके परिवार वाले उसे यह गेम खेलने से आए दिन टोकते रहते थे जिस वजह से आरोपी ने खुन्नस में आकर पबजी का एक सीन रीक्रिएट किया था। इस दौरान पहले परिवार के साथ उसकी बहस हुई, जिसके अगले दिन वो कहीं से एक पिस्तौल लेकर आया और सब पर गोलियां बरसाने लगा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को लाहौर के नावा कोट के पास एक शख्स ने इस गेम का एक दृश्य रीक्रिएट कर दिया जिसका सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स सिर पर पबजी वाला हेलमेट और जैकेट पहने हुए फायरिंग कर रहा है। इस अजीबोगरीब घटना के बारे में पुलिस ने बताया कि किसी घरेलू मामले को लेकर उसकी परिवार के सदस्यों के साथ कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद उसने गोलियां चला दीं। घटना के बारे में लोगों को तब पता चला जब गोलियों की आवाज सुनकर आसपास वाले मौके पर पहुंचे और शख्स को पकड़ पुलिस को सौंप दिया । इस हादसे में गोली चलाने वाले शख्स की भाभी और दोस्त की मौत हो गई जबकि उसकी मां, बहन और भाई घायल हो गए हैं।

इजरायल आईसीसी युद्ध अपराधों की जांच को खारिज करेगा

तेल अवीव।

इजरायल सरकार ने कहा कि वह फिलिस्तीनी क्षेत्रों में संभावित युद्ध अपराधों की अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की जांच को औपचारिक रूप से खारिज कर देगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान के हवाले से कहा कि इजरायल औपचारिक रूप से आईसीसी की एक अधिसूचना का जवाब देगा, जिसमें यह स्पष्ट होगा कि वह जांच में सहयोग नहीं करेगा। बयान के अनुसार, यह पत्र यह स्पष्ट कर देगा कि आईसीसी के पास जांच करने के लिए अधिकार क्षेत्र की कमी है और इजराइल खुद जांच करने में सक्षम है। इजराइल ने फिलिस्तीनियों के खिलाफ यहूदी राज्य द्वारा किए गए संभावित युद्ध अपराधों के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। फरवरी में, आईसीसी में न्यायाधीशों के एक पैनल ने फैसला किया कि ट्रिब्यूनल के पास पश्चिमी बैंक, गाजा पट्टी और पूर्वी येरूसेलम में इजरायल द्वारा संभावित युद्ध अपराधों की जांच करने का अधिकार क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री पद के लिए मैदान में उतरे मलेशिया के विपक्ष के नेता

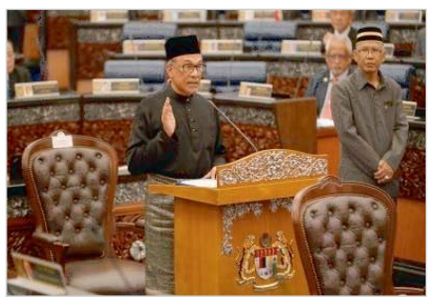

कुआलालंपुर।

मलेशिया में जब भी संसदीय चुनाव होंगे तो लंबे समय से वांछित रहे अनवर इब्राहिम भी फिर से प्रधानमंत्री बनने की कोशिश करेंगे। यह घोषणा शुक्रवार को मलेशिया के विपक्षी गठबंधन ने की है। पकटन हरपन (अलायंस ऑफ होप) के अनुसार भ्रष्टाचार और गलत आचरण के आरोप में 2 बार जेल जा चुके पूर्व उप-प्रधानमंत्री 15 वें आम चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे। वहीं डीपीए न्यूज एजेंसी के मुताबिक पिछले महीने ही प्रधानमंत्री मुहीदीन यासिन ने कहा था कि महामारी खत्म होने के बाद मतदान होगा और फिर उसके बाद 2023 तक चुनावों की जरूरत नहीं होगी। बता दें कि जनवरी में आपातकाल की स्थिति घोषित होने के कारण यहां संसद भंग की जा चुकी है। वहीं विपक्षी दलों ने शुक्रवार को कहा कि वे मुहीदीन और देश के राजा से आपातकाल हटाने और सांसदों को मिलने की अनुमति देने का आग्रह करते हैं। इस गठबंधन ने 2018 में पहली बार विपक्ष पर जीत हासिल करके मलेशिया का आखिरी वोट जीता। तब प्रचार अभियान के दौरान अनवर जेल में थे और अभियान का नेतृत्व महंथ मोहम्मद ने किया था।

चीन ने नए उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया

बीजिंग।

चीन ने शुक्रवार (9 अप्रैल) को 7 बजकर 1 मिनट पर थाईयुआन उपग्रह प्रवेक्षण केंद्र से लांग मार्च 4-बी वाहक रॉकेट से शयान-6 का तीसरा उपग्रह प्रक्षेपित किया। यह उपग्रह सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में पहुंच गया है। इस उपग्रह का इस्तेमाल मुख्य रूप से अंतरिक्ष पर्यावरण सर्वेक्षण और संबंधित प्रौद्योगिकी परीक्षण के लिए किया जाएगा। यह लांग मार्च वाहक रॉकेट की 365वीं अंतरिक्ष उड़ान है।

टेक्सास में हुई गोलीबारी में 1 की मौत, 5 घायल

हॉस्टन।

अमेरिका का टेक्सास तबाड़तोड़ गोलीबारी से गूंज उठा। टेक्सास में हुई गोलीबारी में 1 व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने कहा कि शूटिंग लगभग 2.30 बजे एक इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स में हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को ह्यूस्टन के उत्तर-पश्चिम में 160 किमी दूर ब्रायन शहर में गोलीबारी हुई, जिसमें पांच घायलों में से चार गंभीर हालत में थे। घायल में से एक की पहचान टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी (डीपीएस) के एक जवान के रूप में हुई है, जिसे संदिग्ध की तलाशी के दौरान गोली मारी गई। टेक्सास डीपीएस के अनुसार, वह गंभीर हालत में है लेकिन स्थिर स्थिति में है। ब्रायन पुलिस प्रमुख एरिक बुस्के ने संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि संदिग्ध कैबिनेट कंपनी का कर्मचारी है जहां गोलीबारी हुई है। पुलिस के अनुसार, हमले के बाद संदिग्ध हमलावर को ब्रायन के उत्तर-पूर्व में 40 किलोमीटर दूर शहर बेडियस से गिरफ्तार किया गया। शूटिंग के कारण का अभी तक पता नहीं चल सका है। कई एजेंसियां घटना की जांच कर रही हैं। शूटिंग के बाद

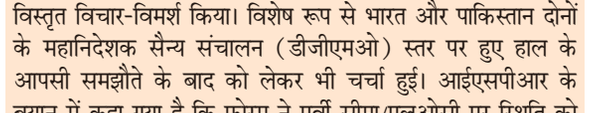

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने संदिग्ध को गिरफ्तार करने पर अधिकारियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, राज्य हर तरह से मदद करेगा ताकि संदिग्ध पर मुकदमा चलाया जा सके।

31 मार्च को कैलिफोर्निया के ऑरेंज शहर में एक गोलीबारी के दौरान एक नौ वर्षीय लड़के सहित चार लोग मारे गए थे। 22 मार्च को कोलोराडो के बोल्डर में एक सुपरमार्केट में हुई गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी सहित 10 लोग मारे गए थे।

16 मार्च को जॉर्जिया के अटलांटा के महानगरीय क्षेत्र में तीन स्पा और मसाज पार्लर में गोलीबारी हुई, जिसमें छह एशियाई महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय बारूदी सुरंग हटाने की सहायता और सहयोग में संलग्न है चीन

बीजिंग।

संयुक्त राष्ट्र स्थित चीन के स्थायी प्रतिनिधि जांग चुन ने 8 अप्रैल को सुरक्षा परिषद की सुरंग अभियान मंत्रिस्तरीय वीडियो सार्वजनिक बहस में भाषण दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सुरंग अभियान के प्रति चीन के रवैये को स्पष्ट करते हुए कहा कि चीन अंतर्राष्ट्रीय मानवीय बारूदी सुरंग हटाने की सहायता और सहयोग में संलग्न रहा है। जांग चुन ने कहा कि बारूदी सुरंगों से लोगों की सुरक्षा को खतरा रहता है और मानवीय विकास गतिविधियां भी बाधित होती हैं। और साथ ही स्थानीय लोगों के सामान्य जीवन पर भी प्रभाव पड़ता है। इससे संघर्ष क्षेत्रों में स्थायी शांति और विकास की प्राप्ति में मुश्किलें पेश आती हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने बारूदी सुरंग के मुद्दे पर निरंतर कार्रवाई करते हुए अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। बारूदी सुरंगों से हुए हताहत होने वालों की संख्या बहुत है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को लगातार प्रयासों को बढ़ाना चाहिए। जांग चुन ने कहा, चीन अंतर्राष्ट्रीय मानवीय बारूदी सुरंग हटाने की सहायता और सहयोग में संलग्न रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 2015 के सितंबर में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के शिखर सम्मेलन में घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में 10 बारूदी सुरंग हटाने की सहायता परियोजनाएं चलायी जाएंगी। तब से, चीन ने कुल 24 बारूदी सुरंग हटाने की सहायता परियोजनाओं को अंजाम दिया। चीन सरकार ने विभिन्न तरीकों से 40 से अधिक देशों को 10 करोड़ युआन से अधिक की बारूदी सुरंग हटाने की मानवीय सहायता प्रदान की है। और एक हजार से अधिक पेशेवर बारूदी सुरंग हटाने वाले तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है। जांग चुन ने जोर देकर कहा कि एक पूर्व पीड़ित देश के रूप में चीन बारूदी सुरंगों, युद्ध के विस्फोटक अवशेष और सरल विस्फोटक उपकरणों से पैदा मानवीय चिंताओं पर सहानुभूति रखता है।

चीन अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को कड़ाई से पूरा करना जारी रखेगा, पीड़ित विकासशील देशों और लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ बारूदी सुरंगों जैसे पारंपरिक हथियारों के दुरुपयोग से पैदा सुरक्षा व मानवीय जोखिमों का निपटारा करने में रचनात्मक भूमिका निभाएगा।

कोर कमांडर सम्मेलन में पाक सेना ने की एलओसी की स्थिति की समीक्षा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान सेना के शीर्ष कमांडरों ने हाल ही में हुए नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थिति की विस्तृत समीक्षा के साथ-साथ पूर्ण सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक कोर कमांडर सम्मेलन (सीसीसी) किया था। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि जीएचक्यू (जनरल हेडक्वार्टर) में आयोजित सीसीसी की अध्यक्षता सीओए (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) ने की है। आईएसपीआर ने अपने ट्वीट में लिखा, फोरम ने हाल ही में हुए संयुक्त अभ्यास के दौरान सेना द्वारा दर्शाई गई ऑपरेशनल तैयारियों पर विश्वास व्यक्त किया है। फोरम ने पूर्वी सीमा, एलओसी पर स्थिति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान दोनों के महानिदेशक सैन्य संचालन (डीजीएमओ) स्तर पर हुए हाल के आपसी समझौते के बाद को लेकर भी चर्चा हुई। आईएसपीआर के बयान में कहा गया है कि फोरम ने पूर्वी सीमा/एलओसी पर स्थिति को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही सीसीसी ने भारती द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए जम्मू और कश्मीर (आईआईओजेके) के लोगों के साथ पूर्ण एकजुटता दिखाने की पुष्टि की। ये लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री इमरान खान के अंडर में आने वाला नागरिक प्रशासन और पाकिस्तान का सैन्य तबका लगातार सकारात्मक बयान देकर भारत के साथ तनाव खत्म करने का इरादा जता रहा है।

अमेरिका के विदेशों में आक्रमण युद्धों से गंभीर मानवीय आपदाएं पैदा हुईं

बीजिंग।

चीनी मानवाधिकार अनुसंधान सोसायटी ने 9 अप्रैल को अमेरिका के विदेशों में आक्रमण युद्धों ने गंभीर मानवीय आपदाओं को जन्म दिया शीर्षक लेख प्रकाशित किया। जिसमें अमेरिका द्वारा मानवाधिकार हस्तक्षेप की आड़ में विदेशों में बल प्रयोग वाली कार्रवाई का खुलासा किया गया और कहा गया कि इन युद्धों में न केवल बड़ी संख्या में सैनिकों ने जान गंवाई, बल्कि आम नागरिकों और संपत्ति का भारी नुकसान हुआ, और साथ ही साथ गंभीर मानवीय आपदाएं भी पैदा हुई। लेख में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका द्वारा शुरू किए गए आक्रामण युद्धों की एक सूची जारी की गई है। अपूर्ण आंकड़ों के अनुसार, द्वितीय विश्व युद्ध के अंत से 2001 तक, दुनिया के 153 क्षेत्रों में हुए 248 सशस्त्र संघर्षों में 201 की शुरूआत अमेरिका ने की। इसके अलावा, अमेरिका ने छद्म युद्ध का समर्थन करने, घरेलू विद्रोह, गुप्त हत्या, हथियार और गोला-बारूद प्रदान करने, सरकार विरोधी ताकतों को प्रशिक्षित करने जैसे तरीकों से दूसरे देशों में हस्तक्षेप किया। जिससे संबंधित देशों की सामाजिक स्थिरता और सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचा है। लेख में बल देते हुए कहा गया कि अमेरिका द्वारा शुरू किए गए विदेशी युद्ध की वजह से गंभीर खराब परिणाम पैदा हुए, बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए, सुविधाओं का विनाश हुआ और उत्पादन ठप हो गया। इसके साथ ही शरणार्थियों, सामाजिक अशांति, पारिस्थितिकी संकट और मनोवैज्ञानिक आघात जैसी सिलसिलेवार सामाजिक समस्याएं भी पैदा हुईं। लेख में यह भी कहा गया कि सैन्य अभियानों से पैदा मानवीय संकट अमेरिका की आधिपत्यवाद विचारधारा से उपजा है। यदि अन्य देश मानवाधिकार की रक्षा के लिए आधिपत्यवादी देश पर निर्भर रहे, तो यह बाघ के शरीर से खाल निकालने की कोशिश जैसा होगा।

लॉकडाऊन नियम तोड़ने पर पुलिस ने दी ऐसी सजा, घर पहुंचते हो गई मौत

इंटरनेशनल डेस्क:

फिलीपींस में कोरोना वायरस महामारी से अबतक 13 हजार से भी अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहां 6 अप्रैल तक 8 लाख से भी अधिक केस थे। इस बीच यहां लगाए कोरोना लॉकडाऊन लगाया गया है और इसका पालन न करने पर सजा भी दी जा रही है। यहां पुलिस ने एक शख्स को लॉकडाउन कर्फ्यू तोड़ने पर ऐसी सजा दी कि उसकी मौत हो गई। टना एक अप्रैल की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार फिलीपींस के मनीला प्रांत के रहने वाले डेरेन (28) को लॉकडाऊन नियम तोड़ने पर सजा के तौर पर सैकड़ों उठक-बैठक लगवाई गई। उठक-बैठक लगाने के कारण इस शख्स की हालत इतनी खराब हो गई कि उसकी जान चली गई। अब इस मामले को लेकर पुलिस पर दबाव बन गया है। डेरेन पानी लेने के लिए निकला था लेकिन लॉकडाउन होने के वजह से उसे एक लोकल ग्रुप ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस स्टेशन में डेरेन को सैकड़ों उठक-बैठक लगानी पड़ी। इसके बाद जब डेरेन घर पहुंचा तो अपनी पत्नी को बताया कि उसे काफी दर्द हो रहा है। डेरेन की पत्नी ने बताया कि डेरेन को दिल की समस्या थी और वो काफी तकलीफ में थे।डेरेन को पुलिस वालों ने पहले 100 उठक-बैठक लगाने को कहा था, लेकिन उन्हें 300 उठक-बैठक लगानी पड़ा। सैकड़ों उठक-बैठक लगाने से उनकी हालत खराब हो गई। डेरेन को 100 के बजाए 300 उठक-बैठक इसलिए लगाने पड़ गए कि वहां सजा पाए और लोग उठक-बैठकर के दौरान एक लय में नहीं थे, जिसके वजह से पुलिसवाले उनकी सजा बढ़ाए जा रहे थे।

उठक-बैठक लगाने से डेरेन की हालत ऐसी हो गई थी कि वो बाथरूम में भी रेंगते हुए गया। डेरेन की बहन एड्रियान ने इस मामले में जांच की मांग की है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरलः कबाड़ की दुकान में मिले थे कांग्रेस के पोस्टर, होगी जांच

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा सख्त आपत्ति जताने के बाद पार्टी ने इस बात की जांच करने का फैसला किया है कि कैसे बिना उपयोग हुए चुनावी पोस्टर कबाड़ की दुकान में पहुंचे। यह घटना राज्य के राजधानी शहर के केंद्र में स्थित वटियाकोर्कवु विधानसभा क्षेत्र की है, जहां राज्य कांग्रेस मुख्यालय स्थित है। यहां गुरुवार को कांग्रेस उम्मीदवार वीना नायर के लगभग 50 किलोग्राम वजन के बिना उपयोग हुए पोस्टर एक कबाड़ी की दुकान पर मिले थे। इस बारे में जानकारी मिलते ही कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता वहां पहुंचे और नारेबाजी की। इसके तुरंत बाद वीणा नायर ने राज्य के पार्टी अध्यक्ष मुल्लापल्ली रामचंद्रन और विपक्ष के नेता रमेश चेन्नितथला से शिकायत की। वीना नायर ने शुक्रवार को मीडिया से कहा, दोनों नेताओं ने मुझसे वादा किया है कि गलत काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ है, मैं तो अपने चुनावी अभियान में व्यस्त थी।

वैक्सीन लेने के 2 दिन बाद, उमर अब्दुल्ला कोरोना पॉजिटिव

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। उमर ने ट्वीट कर कहा कि वह एसिम्पटोमेटिक हैं और सेल्फ आइसोलेशन में हैं। उमर ने ट्वीट किया, एक साल तक मैंने इस वायरस को चकमा देने की पूरी कोशिश की लेकिन यह आखिरकार मेरे पास आ ही गया। मैंने आज दोपहर कोरोना पॉजिटिव पाया गया। मैं पूरी तरह से एसिम्टोमेटिक हूं। मेडिकल एडवाइस के आधार पर मैं घर पर सेल्फ आइसोलेशन में हूं और अपने पारामीटर की निगरानी कर रहा हूं जैसे कि ऑक्सीजन सेचुरेशन इत्यादि। बुधवार को उमर ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज ली थी। पिछले महीने उमर के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला भी श्रीनगर में एसकेआईएमएस में कोरोना वैक्सीन लेने के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।

असम में डाक मतपत्र के साथ मिला अधिकारी, जांच जारी

गुवाहाटी / सिलचर। असम के कछार जिले में अनाधिकृत तरीके से डाक मतपत्रों को ले जाने की घटना की प्रशासन जांच कर रहा है। चुनाव प्रक्रिया में शामिल एक सरकारी कर्मचारी सहित दो लोग एक सोशल मीडिया वीडियो में अनाधिकृत रूप से डाक मत पत्रों को ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गुवाहाटी में चुनाव अधिकारियों ने कहा कि कछार के उपायुक्त कीर्ति जल्ली अब इस घटना की जांच कर रहे हैं और वह जल्द ही चुनाव अधिकारियों को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। जल्ली ने कछार में जिला मुख्यालय में कहा कि अगर सरकारी कर्मचारी को दोषी पाया जाता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो के अनुसार, बिस्वजीत डे पुरकायस्थ के रूप में पहचाने जाने वाले अधिकारी, गुरुवार रात डाक मत पत्रों को एकत्र करने के लिए एक मतदाता के घर गए थे। कुछ लोगों द्वारा पकड़े जाने पर, उन्होंने कहा कि उन्हें डाक मतपत्र को इकट्ठा करने के लिए कहा गया था जो गलत तरीके से एक मतदाता के खिलाफ जारी किया गया था और इसे उच्च अधिकारियों के सामने पेश किया गया है। हालांकि, उन्होंने उच्च अधिकारियों का नाम नहीं बताया।

चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी को एक और कारण बताओ नोटिस जारी किया

कोलकाता। चुनाव आयोग (ईसी) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फिर से कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के माध्यम से झूठे, भड़काऊ और तीखे बयान देकर केंद्रीय बलों की छवि को धूमिल करने के कुत्सित प्रयास पर बनर्जी से लिखित रूप में स्पष्टीकरण मांगा गया है। चुनाव आयोग की ओर से एक सप्ताह के अंदर तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो को दूसरी बार नोटिस भेजा गया है। बनर्जी को बुधवार को एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें चुनाव आयोग ने राज्य में मौजूदा विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के लिए सांप्रदायिक आधार पर वोटों की खुली मांग के संदर्भ में लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। गुरुवार रात को जारी किए गए चुनाव आयोग के ताजा नोटिस में मुख्यमंत्री से 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे से पहले आयोग को अपना लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। नोटिस में यह भी लिखा गया है कि अगर उन्होंने निर्धारित समय तक अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया तो आयोग उन्हें सूचित किए बगैर निर्णय लेगा। मुख्यमंत्री को भेजे गए दो पत्रों के नोटिस में आयोग ने उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल के सीईओ द्वारा 28 मार्च को किए गए मुख्यमंत्री के भाषण की एक प्रामाणिक प्रतिलेख के साथ एक रिपोर्ट में कहा गया है, किसने उन्हें इतनी शक्ति दी कि केंद्रीय पुलिस महिलाओं को वोट डालने की अनुमति दिए बिना धमकी दे रही है। मैंने 2019 में भी यही देखा। मैंने 2016 में भी यही देखा। एक अन्य हिस्से में उन्होंने कहा, मुझे पता है कि किसके निर्देश के तहत उन्होंने मारपीट की और किस तरह उन्होंने मारपीट की। लोगों के परिवार को बचाना आपका कर्तव्य है। यदि आपकी माता और बहनों में से किसी को भी एक छड़ी से भी चोट लगी हो तो उन पर हमला करें..मैं आपसे कह रही हूं। यह महिलाओं का अधिकार है। और, अगर हमारी माताओं और बहनों में से किसी को भी वोटिंग कंपार्टमेंट में प्रवेश से वंचित किया जाता है, तो आप बाहर आएं और बगावत करें। आयोग ने 7 अप्रैल को कूच बिहार में उनके द्वारा दिए गए एक भाषण को भी संदर्भित किया। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव आयोग का कहना है कि आपके बयान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 186, 189 और 505 का उल्लंघन करते हैं।

आखिर कहां गए किसान?, आंदोलन स्थल पर पसरा सन्नाटा

गाजीपुर बॉर्डर।

कृषि कानून के खिलाफ हो रहे किसान आंदोलन को 134 दिन हो चुके हैं, लेकिन गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों की संख्या अब बेहद कम हो चुकी है। किसान अपनी फसल की कटाई और यूपी के पंचायत चुनाव के कारण आंदोलन स्थल से वापस अपने अपने गंतव्य स्थान की ओर रुख कर चुके हैं। बॉर्डर पर पिछले कुछ दिनों से लगातार किसानों की संख्या कम होती जा रही है, हाल ये हो चुका है कि किसान नेता के होने के बावजूद भी आंदोलन स्थलों पर लोग नहीं दिखाई पड़ रहे है। बॉर्डर पर लगे मंच के सामने भी लोग अब इक्का दुक्का ही नजर आ रहें हैं और उनमें भी मंच के सामने बिछी त्रिपाल पर सोते या लेटे हुए नजर आ रहे हैं। इस मसले पर गाजीपुर बॉर्डर पर बैठे आंदोलन स्थल कमिटी के सदस्य जगतार सिंह बाजवा ने आईएएनएस को बताया कि, आंदोलन को चलाने के लिए जो संख्या होनी चाहिए वो यहां मौजूद है। लेकिन ये जरूर है कि बैसाखी का त्यौहार है तो फसल की कटाई शुरू हो चुकी है, इसके साथ उत्तरप्रदेश में पंचायती के चुनाव चल रहे हैं उसमें बहुत से लोग व्यस्त हैं। 10-15 दिन संख्या बढ़ाने का हमारा कोई उद्देश्य नहीं है, लोग अपनी खेती करने के बाद फिर वापस आएंगे और किसानों को भी तभी आना चाहिए, क्योंकि पहले हमारे लिए फसल है। भारतीय किसान यूनियन के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने आईएएनएस को बताया कि, बॉर्डर पर हमारे नेता भी कम रहते हैं, दूसरा ये कटाई का वक्त चल रहा है और किसान के पास करीब 8 दिन हैं, वहीं पंचायत चुनाव एक देश का बड़ा चुनाव होता है ऐसे में हर व्यक्ति का लगाव होने का भी प्रभाव है, अगले 10 दिन बाद सामान्य संख्या हो जाएगी। बॉर्डर पर बनाए गए बड़े बड़े टेंट में किसान नहीं हैं, वहीं सड़कों पर भी पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है। लंगर सेवा चालू है, लेकिन लंगर में बैठने के लिए किसान नहीं हैं। न सुबह के वक्त किसान नजर आ रहे हैं और न शाम के वक्त, बॉर्डर पर लगे हुए टेंट भी उखड़ने लगे हैं। हालांकि किसान उनकी जगह दूसरे जगह टेंट बना रहे हैं, लेकिन उनमें रुकने के लिए किसान फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि जिस तरह किसान फसल की कटाई और पंचायत चुनाव में व्यस्थ दिख रहे हैं, उससे ये साफ कहा जा सकता है कि अगले कुछ और दिनों तक गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों की संख्या बेहद कम रहेगी।

पुलिस ने केएमपी एक्सप्रेसवे नाकाबंदी पर एडवाइजरी जारी की

चंडीगढ़।

संयुक्त किसान मोर्चा ने कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे को 24 घंटे ब्लॉक करने का फैसला किया है, जिसको देखते हुए हरियाणा पुलिस ने एक यातायात एडवाइजरी जारी की है। नियोजित नाकाबंदी 10 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 11 अप्रैल को सुबह 8 बजे तक होगी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवदीप सिंह विर्क ने कहा कि हिंसा को रोकने और यातायात को सुविधाजनक बनाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की गई है। केएमपी एक्सप्रेसवे पर किसानों के बड़े पैमाने पर जमावड़े को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने कहा कि सभी रेंज पुलिस अधिकारियों को जनता को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोनीपत, झज्जर, पानीपत, रोहतक, पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम और नूंह के प्रभावित जिलों में ट्रेफिक डायवर्जन की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे 44 पर अंबाला से आने वाले यात्री गाजियाबाद और नोएडा की ओर करनाल होते हुए शामली और पानीपत से सनौली की ओर जा सकते हैं। इसी तरह, गुरुग्राम और जयपुर की ओर जाने वाले वाहन पानीपत से राष्ट्रीय राजमार्ग 71ए की ओर मुड़ सकते हैं और गोहाना, रोहतक, झज्जर और रेवाड़ी होकर जा सकते हैं। विर्क ने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी।

तेलंगाना : शिक्षकों की सहायता पर हर महीने 42 करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार

हैदराबाद।

तेलंगाना सरकार राज्य के मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को वित्तीय सहायता और चावल उपलब्ध कराने के लिए हर महीने लगभग 42 करोड़ रुपये खर्च करेगी। 10,530 स्कूलों के 1.45 लाख से अधिक शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को वर्तमान माह से प्रत्येक को 2,000 रुपये की वित्तीय सहायता और 25 किलो चावल मिलेगा। शिक्षण संस्थानों के फिर से खुलने तक उन्हें मासिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर द्वारा निर्णय लेने के एक दिन बाद शुक्रवार को जिला कलेक्टरों और अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की गई। बैठक में इस योजना को लागू करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। अनुमान है कि हर महीने राज्य को 42 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। सरकार जहां 29 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, वहीं 13.50 करोड़ रुपये के चावल की आपूर्ति उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से की जाएगी। इंद्र रेड्डी ने कहा कि शिक्षा विभाग 10 से 15 अप्रैल तक जिलों को विवरण प्रदान करेगा। लाभार्थियों की पहचान 16 अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच सत्यापन के बाद जिला कलेक्टरों द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय सहायता 20 अप्रैल से 24 अप्रैल तक लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। कमलाकर ने कहा कि निजी स्कूलों के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को चावल उपलब्ध कराने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार इस योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण चावल उपलब्ध कराएगी। उन्होंने जिला कलेक्टरों और अधिकारियों से इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था करने को कहा। लाभार्थियों की पहचान उचित मूल्य दुकान स्तर पर की जाएगी। मंत्री ने आश्वासन दिया कि हर लाभार्थी को सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण वित्तीय समस्याओं के बावजूद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सभी वर्गों के लोगों की मदद कर रहे हैं।

नाइट कर्फ्यू - क्या दिल्ली से पलायन कर रहे लोग या यह बस एक अफवाह?

नई दिल्ली।

देशभर में एक बार फिर बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर विभिन्न राज्यों में नाइट कर्फ्यू लागू किया गया है। इसके कारण अपने-अपने घर जाने के लिए बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। लेकिन क्या लोग डर की वजह से दिल्ली छोड़ कर जा रहे हैं, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। दिल्ली स्थित आनंद विहार बस स्टैंड पर लोग सामान्य रूप से अपने घर जा रहे हैं। बस स्टैंड पर मौजूद सवारियों से जब ये पूछा गया कि क्या नाइट कर्फ्यू के कारण वापस जा रहे हैं तो यात्रियों ने इस बात को नकारते हुए कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। हालांकि कुछ यात्री इस बारे में बात ही नहीं करना चाहते। बस अड्डों पर मौजूद कुछ बस चालकों की भी इसपर अपनी अपनी राय है। कुछ के मुताबिक ऐसा नहीं है। आनंद विहार बस स्टैंड पर उन लोगों से भी इस मसले पर जानने की कोशिश की गई जो बिहार जाने वाली बसों के इंतजार में थे। आनंद विहार बस स्टैंड पर खड़े फुरकान अली दिल्ली से बिहार जाने वाली बसों की टिकट काटने का काम करते हैं। उन्होंने आईएएनएस को बताया, हमारी 3 से 4 गाड़ियां बिहार निकलती है। अभी तक तो ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। जो भी यात्री बिहार जा रहे हैं, वो अपने व्यक्तिगत काम से या शादियों में शरीक होने जा रहे हैं। लेकिन नाइट कर्फ्यू से कोई जा रहा हो, ऐसा कोई हमें नहीं मिला। रमेश त्यागी आनंद विहार बस स्टैंड पर बिहार जाने वाली बसें लगवाते हैं। उन्होंने बताया, फिलहाल ऐसा नहीं है कि पिछली साल की तरह लोग पलायन कर रहें हों। ये बस अफवाह है। दिल्ली से बिहार खाली गाड़ियां जा रही हैं। रोजाना कुल 15 से 20 गाड़ियां जाती हैं, लेकिन अभी ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। हालांकि लोगों में अब उतना डर नहीं है जो पहले था, यदि कोई व्यक्ति काम नहीं करेगा तो वह भूखा मर जाएगा। आनंद विहार बस स्टैंड पर पूछताछ केबिन में बैठने वाली शबीना भी इस बात से इनकार करती हैं कि लोग फिर से पलायन कर रहे हैं। उनके मुताबिक बस स्टैंड से पहले जितनी सवारी जाती थी, उतनी ही जा रही हैं। अभी तक उनकी नजर में ऐसा कोई मामले सामने नहीं आया है, जिसमें पलायन की बात साबित हो सके। आनंद विहार बस स्टैंड पर बिहार जाने वाली बस में कार्यरत राकेश ने आईएएनएस को बताया, नाइट कर्फ्यू से कोई फर्क नहीं पड़ा है। बिहार जाने वाले सवारियों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। लेकिन बिहार से दिल्ली आने वाले लोगों में बढ़ोतरी जरूर हुई है। दिल्ली से सिर्फ वही लोग जा रहे हैं जिनका खुद का कोई काम है या जिनके घर में शादियां हैं। यदि ऐसा होता तो इधर इतनी भीड़ होती कि पैर रखने की भी जगह नहीं होती। केसी ट्रैवलर नामक कंपनी संचालक तनिष्क ने बताया कि लोगों में मानसिक तनाव है। उन्हें लग रहा है कि लॉक डाउन फिर से लग सकता है, इसलिए मन मे डर है। मुकेश सिंह ने कहा कि मौजूदा वक्त में और कम सवारी हो गई है। कुल 10 से 12 बसें निकलती है और उनमें भी सवारी कम है। दिल्ली में नाइट कर्फ्यू के कारण लोग दिल्ली छोड़ कर अपने-अपने घर जा रहे हैं। ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। लोगों के अनुसार, ये बस एक अफवाह है।

अंबेडकर जयंती को समरसता दिवस के रूप में मनाएगी उप्र भाजपा

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी द्वारा अंबेडकर जयंती पर दलित दिवाली मनाने की घोषणा करने के बाद उत्तर प्रदेश भाजपा ने कहा है कि वह इस अवसर को बूथ पर समरसता दिवस के रूप में मनाएगी। राज्य भाजपा प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि इस अवसर पर पार्टी 13 अप्रैल और 14 अप्रैल को 2 दिवसीय समारोह आयोजित करेगी। प्रदेश भाजपा के महासचिव गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा कि 13 अप्रैल को पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अंबेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। इसके बाद 14 अप्रैल को डॉ.अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य के लगभग 1.6 लाख बूथों पर पार्टी कार्यकर्ता इकट्ठे होंगे। इस कार्यक्रम में पार्टी के सांसद, विधायक और मंत्री भी शामिल होंगे। पार्टी के पदाधिकारी विभिन्न चौराहों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भारतीय संविधान के जनक डॉ.अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगे।

राहुल ने पीएम को लिखा पत्र, कोविड-19 टीकाकरण निर्यात पर सवाल उठाए

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि भारतीय वैज्ञानिक समुदाय ने समाधान विकसित करने के लिए ओवरटाइम काम किया था, लेकिन उनके प्रयासों को केंद्र ने खराब कार्यान्वयन और असावधानी से कम कर दिया। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार वैक्सीन के निर्यात पर तत्काल रोक लगाए और टीकाकरण को हर उस व्यक्ति तक पहुंचाए, जिसे इसकी आवश्यकता है। अपने तीन पन्नों के पत्र में राहुल ने कहा, मैं आपको बड़ी चिंता के साथ लिख रहा हूं क्योंकि हम एक बार फिर से कोरोनावायरस महामारी की चपेट में हैं। बीते वर्ष से, हमारे देश में अपूरणीय क्षति हुई है और एक बार फिर हम वायरस के नए हमले का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे वैज्ञानिक समुदाय और वैक्सीन आपूर्तिकर्ताओं ने समाधान विकसित करने के लिए ओवरटाइम किया, लेकिन उनके प्रयासों को केंद्र के खराब कार्यान्वयन से कम कर दिया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि टीकाकरण में भारत को सबसे पहले आगे बढ़ने का लाभ मिला और फिर भी हम काफी कम गति से आगे बढ़ रहे हैं।

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने दुनिया के कुछ सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रमों को डिजाइन करने और निष्पादित करने में प्रचूर अनुभव प्राप्त किया है। फिर भी वर्तमान मामले में, हम तीन महीनों में एक प्रतिशत से भी कम लोगों को पूरी तरह से टीकाकरण करने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे वर्तमान टीकाकरण की दर से देखें तो 75 प्रतिशत आबादी को टीका लगाने में कई साल लगेंगे। इससे भयावह प्रभाव पड़ेगा और भारत की अर्थव्यवस्था में गंभीर गिरावट आएगी। कोविड-19 टीकों को विदेशों में निर्यात करने के निर्णय पर सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, इस बात का कोई स्पष्ट कारण नहीं है कि सरकार ने टीकों के बड़े पैमाने पर निर्यात की अनुमति क्यों दी।

जबकि हमारा राष्ट्र टीकाकरण की कमी का सामना कर रहा है। टीकों की छह करोड़ से अधिक खुराक का निर्यात किया गया है।

केरल के मछुआरों के परिवारों को 10 करोड़ रुपये देने का इटली को निर्देश

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इटली सरकार को विदेश मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट किए गए अकाउंट में 10 करोड़ रुपये जमा करने को कहा, जिसका भुगतान इटली के नौसैनिकों द्वारा मारे गए दो मछुआरों के परिवारों को किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा है कि इतालवी सरकार से प्राप्त मुआवजा पीड़ितों के बीच संवितरण के लिए सुप्रीम कोर्ट में जमा किया जाएगा। इस पीठ में न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और वी. रामासुब्रमण्यम भी शामिल हैं। केंद्र सरकार और केरल सरकार ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि पीड़ित परिवारों ने इटली से प्राप्त 10 करोड़ रुपये के मुआवजे पर सहमति व्यक्त की है। पीठ ने माना कि मुआवजे के जमा होने के बाद इतालवी नौसैनिकों के खिलाफ मामला बंद कर दिया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने 19 अप्रैल को इतालवी नौसैनिकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा बंद करने के लिए सरकार के आवेदन को सूचीबद्ध किया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि भारत सरकार ने इतालवी सरकार के साथ एक अच्छा समझौता किया है और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण के आदेश का हवाला दिया है, जिसने फैसला सुनाया था कि इतालवी सरकार द्वारा नौसैनिकों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की जाएगी। इतालवी सरकार ने 10 करोड़ रुपये के मुआवजे की पेशकश की है, जिसमें से केरल सरकार ने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 4 करोड़ रुपये और नाव सेंट एंटनी के मालिक को 2 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव दिया।

मेहता ने पीठ से कहा कि भारत सरकार को इतालवी सरकार से पैसा मिलने के बाद इसे तीन 3 दिनों के भीतर शीर्ष अदालत के खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)